mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-101 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

सतना

14 अप्रैल 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सोशल मीडिया ट्रोलर्स...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

'भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में निवेश का यही सही समय'

दुबई (एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा नया वक्फ बोर्ड बिल लाए जाने के बाद देश के कुछ मुसलमान भले ही मोदी सरकार पर धार्मिक भेदभाव का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन दुनिया के ताकतवर मुस्लिम देशों का इससे कोई लेना-देना नहीं है। तमाम ताकतवर मुस्लिम देशों को पीएम मोदी के नेतृत्व पर अटूट भरोसा है। इसीलिए वह सभी भारत के साथ दोस्ती बढ़ाने और अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में जुटे हैं। भारत में वक्फ बोर्ड पर चल रहे घमासान के बीच संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) के एक सांसद ने कहा है कि भारत और यूएई के लिए द्विपक्षीय संबंधों में निवेश करने का यह सही समय है, क्योंकि दोनों देशों के पास दूरदर्शी नेतृत्व है। यूएई में रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष अली

राशिद अल नुएमी ने दुबई में जारी वैश्विक न्याय, प्रेम व शांति शिखर सम्मेलन के अवसर पर कहा कि अलगाव कभी भी समाधान नहीं है और देशों को दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। अल नुएमी ने कहा, ''हमारे पास दूरदृष्टि रखने वाला सही नेतृत्व है जो चुनौतियों को समझता है और अवसरों को देख सकता है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना और इस अवसर का लाभ उठाना बहुत महत्वपूर्ण है।'' अल नुएमी ने कहा, ''द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से हम जिस पुरानी व्यवस्था को जानते थे, अब हम उससे बंधे नहीं रह गए हैं।

यूक्रेन के सूमी शहर पर रूसी मिसाइलों ने ढाया कहर, 20 से ज्यादा मौत

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के सूमी शहर में रूस ने बड़ा घातक हमला किया है। रूस के इस मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि अभी घायलों की संख्या की जानकारी सामने नहीं आ पाई है। हमले के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई है। यूक्रेनी शहर के कार्यवाहक महापौर ने रविवार को रूस के इस भीषण हमले की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि जब स्थानीय निवासी रविवार को 'पाम संडे' मनाने के लिए एकत्र हुए थे, तभी रूस ने घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से यह हमला कर दी।

ऐसे में वहां मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए और हमले में मारे गए। करीब 3 साल से चल रहे युद्ध में यूक्रेन भयावह त्रासदी का सामना कर रहा है। उसके सभी प्रमुख शहर खंडहर बन चुके हैं। इस युद्ध में हजारों सैनिक और लोग मारे जा चुके हैं। जबकि हजारों लोग अपाहिज भी हो गए हैं। मगर यह युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। महापौर अर्टेम कोबजर ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, ÷पाम संडे के अवसर पर हमारे लोगों को भयावह त्रासदी का सामना करना पड़ा। दुर्भाग्य से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।÷ इससे एक दिन पहले रूस और यूक्रेन के शीर्ष राजनयिकों ने ऊर्जा संरचना पर हमले रोकने के लिए अमेरिका द्वारा कराए गए संभावित समझौते के उल्लंघन का एक-दूसरे पर आरोप लगाया था।

अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के भूमि पूजन का नायडू ने पीएम मोदी को भेजा न्योता

विजयवाड़ा (एजेंसी) आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती शहर को तैयार करने की परियोजना पर एक बार फिर तेज रफ्तार से काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का यह ड्रीम प्रोजेक्ट 65,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला है। इस परियोजना के भूमि पूजन के लिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता भेजा गया है। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र प्रदेश की नई राजधानी तैयार होगी। आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस परियोजना का मकसद एक 'लोगों की राजधानी' बनाना है, जो दुनियाभर से कुशल प्रवासियों, उद्योगों, पेशेवरों और व्यवसायों को आकर्षित करे। इसे टोक्यो, सिंगापुर, एम्स्टर्डम की तर्ज पर बनाया जाएगा। दरअसल, वर्ष 2019 और 2024 के बीच पांच साल तक ये परियोजना ठंडे बस्ते में रही। पिछली सरकार के दौरान इस परियोजना पर कोई काम नहीं हो पाया। हालांकि, प्रदेश में पिछले साल मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई में नयी सरकार बनने के बाद अमरावती को राजधानी बनाने के इस प्रोजेक्ट को पुनर्जीवित किया गया।

यूपी में लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़, 3 महिलाएं गिरफ्तार

13 युवकों को शादी का झांसा देकर शिकार बनाया

हरदोई (एजेंसी)। यूपी के हरदोई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़ हुआ है, जो शादी का झांसा देकर पहले युवकों और उसके परिवार को भरोसे में लेता था और फिर उन्हें लूटकर फरार हो जाता था। इस गैंग की 3 महिलाओं को गिरफ्तार भी किया गया है। इस गैंग ने अब तक आस-पास के जिलों के 13 युवकों को चूना लगाया है। पूरा मामला 23 जनवरी 2025 का है। नीरज गुप्ता नाम के व्यक्ति ने कोतवाली पुलिस में ये रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रमोद नाम का व्यक्ति अपनी पोती पूजा की शादी कराने के बहाने रजिस्टार कार्यालय ले गया था। वहां विवाह के कागजात बनवाए गए और वहीं नीरज ने पूजा को कैश और जेवर सौंप दिए।

इसके बाद प्रमोद और पूजा वहां से फरार हो गए। पुलिस इस मामले पर लगातार निगाह बनाए हुए थी। इसी बीच पुलिस ने पूजा उर्फ सोनम, आशा उर्फ गुड्डी और सुनीता को गिरफ्तार कर लिया। इनके

पास से पुलिस ने दो जोड़ी पायल, 1 जोड़ी कान के कुंडल, एक नाक की नथ और 2,750 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस ने जब इन सभी से पूछताछ की तो पता चला कि गिरोह का निशाना अविवाहित युवक होते थे। गिरोह में शामिल प्रमोद, लड़कों की तलाश करता था। जब लड़का मिल जाता था, तब सुनीता और आशा रिश्तेदार बनकर शादी तय करती थी।

पूजा दुल्हन बनकर लड़के को विश्वास में लेती थी और फिर गहने और पैसे हाथ में आते ही पूरा गिरोह फरार हो जाता था। इन अभियुक्तों के खिलाफ हरपालपुर थाने में भी मुकदमा दर्ज है, जहां नशीला पदार्थ खिलाकर यह गिरोह फरार हो गया था। सीओ सिटी के अनुसार गिरोह ने अन्य जिलों में भी ऐसी वारदात की है। गिरोह के अन्य लोगों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

कुत्ते के काटने के 45 दिन बाद 3 साल के बच्चे की मौत

अलीगढ़ (एजेंसी)। यूपी के अलीगढ़ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 3 साल के बच्चे की कुत्ते के काटने के 45 दिन बाद मौत हो गई। बच्चे को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। उस वक्त किसी को अंदाजा नहीं था कि ये छोटी सी घटना इतना बड़ा दर्द बनकर सामने आएगी। मामला अलीगढ़ जिले के छर्रा थाना इलाके के नत्थू गांव का है। परिजनों ने शुरुआत में इसे गंभीरता से नहीं लिया लेकिन जब इस घटना का असर सामने आया तो हड़कंप मच गया। बच्चे को अपनी जान गंवानी पड़ी। हालात खराब होने पर परिवार उसे लेकर अस्पताल भी गया लेकिन डॉक्टरों ने रेबीज का संदेह जताया। बाद में पता चला कि कुत्ते के काटने के 20 दिन बाद अंशु को एंटी-रेबीज का इंजेक्शन दिया गया था, जबकि यह 48 घंटे के भीतर देना जरूरी था। 11 अप्रैल 2025 को अंशु ने आखिरी सांस ली, और एक परिवार का सुख-चैन हमेशा के लिए छिन गया। यह घटना सिर्फ एक बच्चे की मौत की कहानी नहीं है बल्कि लापरवाही का जीता-जागता सबूत है। गांवों और शहरों में आवारा कुत्तों की तादाद बढ़ रही है लेकिन सरकार और आम लोग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। जब ये घटना घट गई है तो लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक मासूमों की जान यूं ही जाती रहेगी? क्या एक बच्चे की हंसी छीनने के बाद ही हमारी आंखें खुलेंगी? खबर ये भी सामने आई कि जिस कुत्ते ने अंशु पर हमला किया, उसी कुत्ते ने उस दिन 10 और बच्चों पर भी अटैक किया था। इन बच्चों ने भी कोई उपचार नहीं लिया।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से आठ लोगों की मौत

सामने आया सीएम एन चंद्रबाबू नायडू का बयान

अनकापल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के कोटावुराटला मंडल के कैलासपट्टनम में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई है। खुद गृह मंत्री ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू का भी इस हादसे पर बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अनकापल्ली जिले के कोटावुराटला में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में श्रमिकों की मौत दुखी करने वाली है। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात की है।

सीएम ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों का समर्थन करेगी और उनसे मजबूत बने रहने का आग्रह किया।

सीएम ने अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि घायल श्रमिकों में से दो की हालत गंभीर है। ये जानकारी आंध्र प्रदेश सीएमओ के हवाले से सामने आई है।

विस्फोट का कारण पता नहीं चला : एसपी तुहिन सिन्हा ने कहा कि विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। चंद्रबाबू नायडू ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों से रिपोर्ट सौंपने को कहा है। यह घटना दोपहर करीब 12ः45 बजे हुई और अधिकारी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्थानीय लोग भी मौके पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी दुख जताया और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से हर संभव मदद करने को कहा।

आकाश आनंद ने मायावती से मांगी माफी

पार्टी में फिर से काम करने का मांगा मौका, लिखा भावुक पोस्ट

लखनऊ (एजेंसी)। आकाश आनंद ने बुआ मायावती से माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट लिखा है, जिसमें वह माफी मांगते दिख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि मायावती उन्हे माफ कर दें और पहले की तरह पार्टी में काम करने का मौका दें। बता दें कि लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच मायावती ने आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर सहित सभी पदों से हटा दिया था। मायावती ने आकाश आनंद के ससुर को भी पार्टी से निकाल दिया था।

दरअसल, आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करके मायावती से माफी मांगी है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा है, ÷बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी की चार बार रही मुख्यमंत्री एवं लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार रही सांसद आदरणीया बहन कु. मायावती जी को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरू व आदर्श मानता हूं। आज मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन

समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों को व खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा।÷

रिश्तेदारों से नहीं लेंगे सलाहः आकाश आनंद ने आगे लिखा, ÷यही नहीं बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं जिसकी वजह से आदरणीया बहन जी ने मुझे पार्टी से निकाल दिया है। और आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा। और सिर्फ आदरणीय बहन जी के दिए गए दिशा-निर्देशों का ही पालन करूंगा। तथा पार्टी में अपने से बड़ों की व पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करूंगा और उनके अनुभवों से भी काफी कुछ सीखूंगा।÷

उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती से माफी मांगते हुए एक्स पर आखिर में लिखा, ÷आदरणीया बहन जी से अपील है कि वे मेरी सभी गलतियों को माफ करके मुझे पुनः पार्टी में कार्य करने का मौका दिया जाए, इसके लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा।

मुसलमानों से जुड़े अहम मुद्दों पर रखे गये प्रस्ताव

जमीअत उलमा-ए-हिंद की बुलाई गई सभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की एक सभा 13 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित की गई। इस दौरान जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की सभा ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर गंभीर चिंता व्यक्त करती है। समिति के अनुसार यह न केवल भारतीय संविधान के कई प्रावधानों (अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29 और 300-ए) के विरुद्ध है, बल्कि वक्फ के मूल ढांचे को क्षति पहुंचाने का भी प्रयास है। इस कानून का सबसे नुकसानदायक पहलू %वक्फ बाई-यूजर% को निरस्त करना है, जिसके कारण ऐतिहासिक रूप से वक्फ के रूप में उपयोग किए जाने वाले धार्मिक स्थलों के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, ऐसी संपत्तियों की संख्या चार लाख से अधिक हैं।

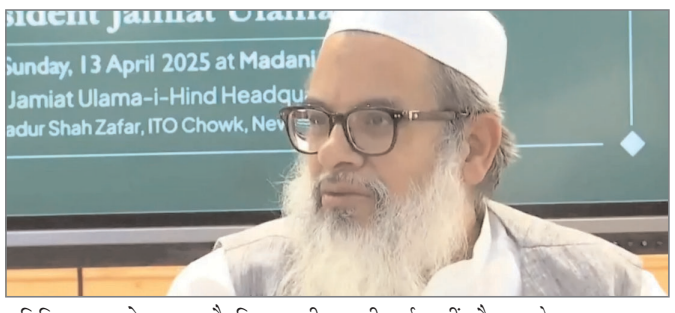

समिति का आगे कहना है कि, ÷इसी प्रकार, केन्द्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम व्यक्तियों बल्कि बहुसंख्यकों को शामिल करना धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप है, जो कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 26 का खुला उल्लंघन है। इस तरह का कानून बहुसंख्यक वर्ग के वर्चस्व का प्रतीक है, जिसका हम पूरी तरह विरोध करते हैं। यह हमें किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसके अलावा यह कार्यकारी समिति इस तथ्य को व्यक्त करती है कि वर्तमान सरकार भारत के संविधान की भावना और उसकी मूल अवधारणा का उल्लंघन कर रही है। हम इसे पूरी तरह से समझते हैं कि एक पूरे समुदाय को हाशिए पर डालने, उनकी धार्मिक पहचान को मिटाने और उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का संगठित और कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।÷

कार्यकारी समिति ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया है कि जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष हजरत मौलाना महमूद असद मदनी ने इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और आग्रह किया है कि न्यायालय में इसकी प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ वकीलों की सेवाएं ली जाएं। इस सभा ने भारत सरकार से मांग की है कि वक्फ कानून 2025 को तुरंत वापस लिया जाए। सरकार को यह समझना चाहिए कि वक्फ इस्लामी कानून का एक मौलिक हिस्सा है, जो कुरान और हदीस से लिया गया है। यह अन्य दूसरी इबादत की तरह एक धार्मिक कार्य है। इसमें ऐसा कोई संशोधन स्वीकार्य नहीं हो सकता जो वक्फ के धार्मिक चरित्र और उसके शरई आधार को प्रभावित करे। संशोधन की भावना हमेशा प्रशासनिक सुधार पर आधारित होनी चाहिए, जैसा कि गत कुछ संशोधनों के माध्यम से हुआ है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती फिर प्यार...अब आईपीएस पर दुष्कर्म का आरोप

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक आईपीएस अधिकारी के खिलाफ दुष्कर्म और एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसके बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा है। नागपुर के इमामबाड़ा पुलिस ने युवती की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया। कथित तौर पर आरोपी आईपीएस अधिकारी ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक शोषण करता रहा। विवाह के

लिए दबाव बनाने पर वह मुकर गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी अधिकारी 2021 बैच का आईपीएस ऑफिसर है, फिलहाल उनकी तैनाती नंदुरबार जिला के अक्कलकुवा उपविभागी पुलिस अधिकारी पद पर है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय पीड़ित डॉक्टर है। इस मामले में पुलिस अधिकारी के चचेरी बहन को भी आरोपी बनाया है। आरोपी मूल रूप से यवतमाल के रहने वाले हैं।

भारत को मिली बड़ी सफलता, हासिल की रक्षा क्षमता में ऐतिहासिक उपलब्धि

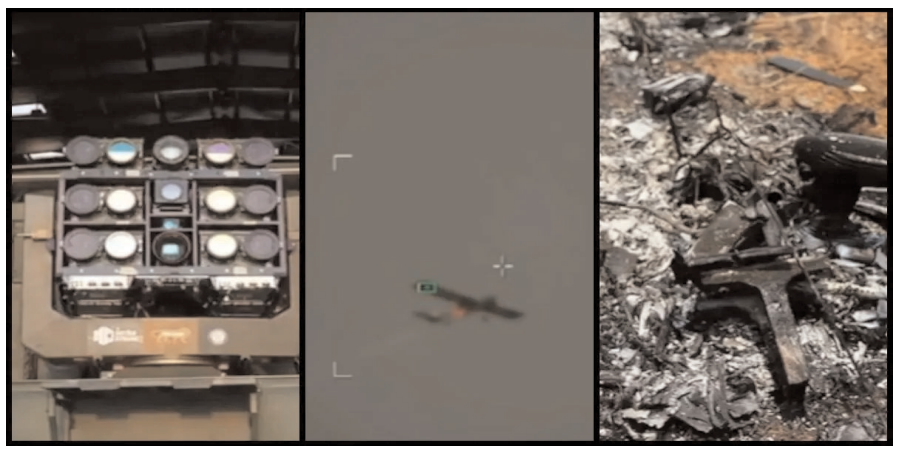

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहली बार 30 किलोवॉट की लेजर आधारित हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण कर अपनी रक्षा क्षमता में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस प्रणाली के जरिए भारत ने रविवार को फिक्स्ड विंग

- **30 किलोवॉट की लेजर आधारित हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण**

एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को मार गिराने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। इस सफलता के साथ भारत अब अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों की उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी लेजर हथियार तकनीक का सफल प्रदर्शन किया है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, ÷जैसा कि मेरी जानकारी में है, अमेरिका, रूस और चीन ने इस तरह की क्षमता प्रदर्शित की है। इज़राइल भी इस पर काम कर रहा है। मैं कह सकता हूं कि हम दुनिया में चौथे या पांचवे देश हैं, जिन्होंने इस प्रणाली को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है।÷

इसके साथ ही डॉ. समीर वी कामत ने भारत के पहले 5वीं पीढ़ी के स्टेल्थ लड़ाकू विमान, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट पर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷दुनिया में कहीं भी ऐसा कोई प्रोजेक्ट 10 से 15 सालों से कम में पूरा नहीं होता। हमने यह यात्रा 2024 में शुरू की है, जब ष्टष्टस् ने इस परियोजना को मंजूरी दी थी। हमारा लक्ष्य है कि 2035 तक यह विमान तैयार हो जाए।÷उन्होंने बताया कि भारत एक नए एयरो इंजन प्रोग्राम की भी शुरुआत करना चाहता है और इसके लिए किसी विदेशी कंपनी के साथ सहयोग की योजना है, ताकि विकास में आने वाले जोखिमों को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि,श्वत्रह्ल इंजन तकनीक एक बहुत ही जटिल तकनीक है, हालांकि हमने कावेरी इंजन से बहुत कुछ सीखा है। कावेरी चौथी पीढ़ी का इंजन था, लेकिन अब तकनीक छठी पीढ़ी तक पहुंच चुकी है। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में इस पर कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

लेजर बेस्ड वेपन सिस्टम की खासियतः 30 किलोवाट की लेजर हथियार प्रणाली को 5 किलोमीटर की सीमा के भीतर ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें कम्युनिकेशन और सेटेलाइट सिग्नल्स को जाम करने सहित एडवांस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं हैं। इसका इस्तेमाल जमीन और जहाज दोनों जगहों पर किया जा सकता है। इससे कई डोमेन में भारत की रक्षा क्षमता बढ़ गई है। इस अवसर पर सेंटर फॉर हाई एनर्जी सिस्टम्स एंड साइंसेज (CHESS), DRDO के निदेशक डॉ. जगन्नाथ नायक ने भी कहा, ÷जो हमने आज हासिल किया है, वह एक बहुत बड़ी सफलता है। हमने देखा कि हमने लंबी दूरी पर फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट को निष्क्रिय किया, और साथ ही स्वार्म ड्रोन को भी मार गिराया।

अब लेट नहीं होंगे बड़े प्रोजेक्ट, सचिवों के अधिकार बढ़ाकर 20 से 50 करोड़ किए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में अब बड़े प्रोजेक्ट में राशि की मंजूरी अनावश्यक लेट नहीं होगी। वित्त ने विभागीय सचिवों के अधिकार बढ़ा दिए हैं, वे अब 50 करोड़ रुपए तक की लागत वाले प्रोजेक्ट को मंजूरी दे सकेंगे। इसमें सिर्फ विभागीय मंत्री का अनुमोदन लगेगा। इस वित्तीय अधिकार के बढ़ने से काम में भी तेजी आएगी। पहले विभागीय सचिवों के पास 20 करोड़ तक के ही प्रोजेक्ट की मंजूरी के अधिकार थे। उदाहरण के लिए यदि मेडिकल कॉलेज के किसी प्रोजेक्ट की लागत 20 से 21 करोड़ हो जाए तो उन्हें मुख्य सचिव तक जाना पड़ता था। अब ऐसा नहीं करना पड़ेगा। वित्त विभाग ने स्टेंडिंग फाइनेंस कमेटी (स्थायी वित्त समिति या एसएफसी), एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (वित्तीय व्यय समिति या ईएफसी) और प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग कमेटी (परियोजना परीक्षण समिति या पीएससी) की नए सिरे से व्यवस्था की है। इसी में सचिव के अधिकार बढ़े। एसएफसी में सचिव के पास 50 करोड़ तक के प्रोजेक्ट मंजूरी के अधिकार रहेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री का अनुमोदन होगा। ईएफसी में वित्त सचिव के पास 50 से 200 करोड़ रुपए तक प्रोजेक्ट का अधिकार होगा, जिसमें विभागीय मंत्री के अनुमोदन के साथ वित्तमंत्री की भी रजामंदी लगेगी। इसी तरह पीएससी में 200 करोड़ से अधिक के काम होंगे, जिसमें नियमित नियुक्तियां या संविदा पर लोग रखने होंगे तो मुख्य सचिव इस पर निर्णय लेंगे। साथ ही कैबिनेट की अनुमति जरूरी होगी। पहले ईएफसी का दायरा 20 से 100 करोड़ तक था। पीएससी के पास 100 करोड़ से ऊपर के प्रोजेक्ट जाते थे। अब सभी की वित्तीय ताकत बढ़ा दी गई है। वित्त विभाग ने इस नई व्यवस्था को बुधवार को आदेश जारी कर लागू कर दिया है।

अब इमारती लकड़ी पर नहीं लगेगा जीएसटी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अब इमारती लकड़ी पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सेंट्रल जीएसटी) अपील आयुक्त ने मप्र राज्य वन विकास निगम की सेवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया है। अपील आयुक्त ने माना कि निगम की सेवाएं इमारती लकड़ी और अन्य वन उपज से संबंधित हैं, जो वन भूमि में पेड़ों की कटाई से प्राप्त होती हैं और ये कृषि उपज की श्रेणी में आती हैं। इस फैसले से मप्र वन विकास निगम को लगभग 220 करोड़ रुपए की बचत होगी।

मिलीभगत से जंगल कट रहे, डीएफओ बोले- कार्रवाई होगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जंगल माफिया लगातार जंगल काट रहे हैं। उनकी वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत है। यही वजह है कि रातभर में जंगल कटता है और तड़के उनकी गाड़ियां निकल जाती हैं। वन विभाग की ओर से उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती। यह आरोप जैव विविधता प्रबंधन समिति की बुधवार को डीएफओ कार्यालय में हुई बैठक में समिति अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य विनय मेहर ने लगाए।बैठक में शामिल डीएफओ लोकप्रिय भारती ने इसे स्वीकार भी किया। उन्होंने कहा कि विदिशा, गुना, राजगढ़ के रास्तों से लकड़ी की गाड़ियां गुजरती हैं। लेकिन, प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने इसमें शामिल अधिकारी और कर्मचारियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने और माफिया पर नकेल कसने का भरोसा दिलाया। मेहर ने दावा किया कि उनके पास सबूत हैं कि किस तरह जंगल को पठारों में बदला गया। उन्होंने मांग की कि अधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ जंगल का निरीक्षण करें। जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन करीब 3 साल पहले किया गया था। लेकिन, पहली बार बैठक हुई थी।

मेहनत और ईमानदारी के साथ पढ़ाई करने पर सफलता आपके कदम चूमेगी: स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि मेहनत और ईमानदारी के साथ समर्पित भाव से पढ़ाई करने पर सफलता आपके कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो संसाधन इंटरनेट, मोबाइल उपलब्ध हैं, उनका अधिक से अधिक उपयोग रचनात्मक कामों में किया जाना चाहिये। मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा में स्कूल शिक्षा विभाग के तेजस्वी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने 976 आयडिया'' पुस्तक का विमोचन किया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की बेहतरी के लिये लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरकारी स्कूल के विद्यार्थी निजी स्कूल के विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कक्षा-5वीं और 8वीं के हाल ही में घोषित रिजल्ट ने यह साबित करके दिखाया है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति-2020 का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आजादी की 100वीं वर्षगाँठ पर विकसित भारत का सपना साकार होगा और इसमें युवाओं का योगदान सबसे ज्यादा रहेगा।

कार्यक्रम को विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बताया गया कि उद्यम विकास के आयडिया के लिये सीड मनी स्कीम'' में प्रदेश की 3764 टीमों ने भाग लिया। इन टीमों में 19 हजार 900 विद्यार्थी शामिल थे। मंत्री श्री सिंह ने सीड मनी के लिये जिले के 5 हजार 176 विद्यार्थियों को 2000 रुपये के मान से एक करोड़ 3 लाख रुपये का चैक प्रदान किया।

एम्स के डॉक्टर ने बनाया अनोखा हैंड बैंड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम्स भोपाल के आयुष विभाग के डॉक्टर दानिश जावेद ने एक अनोखा हैंड बैंड विकसित किया है, जो भोजन में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस और अन्य दूषित तत्वों की तुरंत पहचान करने में सक्षम है। स्मार्ट वॉच की तरह दिखने वाला यह हैंड बैंड डिप-स्ट्रिंग सेंसर और गैस सेंसर से सुसज्जित है। डिप-स्ट्रिंग सेंसर भोजन के संपर्क में आने पर हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस को पहचानता है, जबकि गैस सेंसर भोजन की गंध का विश्लेषण कर उसके खराब होने की स्थिति का आकलन करता है। इस उपकरण में विजुअल और वाइब्रेशन अलर्ट सिस्टम भी शामिल हैं, जो उपयोगकर्ता को संभावित स्वास्थ्य खतरों की त्वरित सूचना देते हैं, जिससे समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। हैंड बैंड की

वाटरप्रूफ और कॉम्पैक्ट डिजाइन इसे रोजमर्रा के उपयोग के लिए सुविधाजनक बनाती है। इसे आसानी से साफ किया जा सकता है और यह हर उम्र के लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर सजग रहते हैं। इस नवाचार को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट प्रदान किया है, जो इसे तकनीकी रूप से मान्यता प्रदान करता है।

एम्स भोपाल के डॉ. अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, यह हैंड बैंड केवल एक तकनीकी खोज नहीं, बल्कि निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। मैं डॉ. दानिश जावेद और पूरी आयुष टीम को इस सराहनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

भोपाल एस में 3 साल की बच्ची की जटिल सर्जरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल एम्स में एक 3 वर्षीय बच्ची की जटिल सर्जरी की गई। इस सर्जरी में डॉक्टरों ने बच्ची की खोपड़ी और गर्दन से चिपके एक परजीवी जुड़वा को सफलतापूर्वक हटा दिया है। यह मामला मध्य प्रदेश के अशोकनगर का है। यहां की रहने वाली बच्ची बासलका के गर्दन के पिछले हिस्से में जन्म से ही एक मांसल उभार था। जिसे हाल ही में एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स भोपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में सर्जरी प्लान की गई। न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। जांच में पता चला कि बच्ची की

खोपड़ी और रीढ़ की हड्डी से एक अधूरे शरीर का पैर और श्रोणि हड्डियां जुड़ी हुई थीं, जो दिमाग के नाजुक हिस्से ब्रेन स्टेम से सटी हुई थीं। इसकी जटिलता को देखते हुए रेडियोलॉजी, बाल शल्य चिकित्सा और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की एक बैठक हुई, जिसके बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। परजीवी जुड़वां एक ऐसी दुर्लभ स्थिति है, जिसमें एक भ्रूण पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता और दूसरे भ्रूण से जुड़कर उस पर निर्भर हो जाता है। इस मामले में बच्ची के सिर और रीढ़ की हड्डी से एक अधूरा शरीर (पैर और पेल्विस) जुड़ा हुआ था, जो मस्तिष्क के बेहद संवेदनशील हिस्से ब्रेन स्टेम के पास था।

आर्ट ऑफ लिविंग करेगी गांवों में जल प्रबंधन में मदद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नदियों के उद्गम क्षेत्रों में वाटरशेड विकास तथा पारंपरिक चंदेला-बुंदेला तालाबों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए आर्ट ऑफ लिविंग संस्था सहयोग करेगी। आर्ट ऑफ लिविंग की सहयोगी संस्था व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया और मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के बीच इसे लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि इस एमओयू के साइन होने के बाद मनरेगा और आर्ट ऑफ लिविंग जल संरक्षण में नया अध्याय लिखेंगे। इस समझौते के जरिए राज्य के विभिन्न जलग्रहण क्षेत्रों में कार्य योजना बनाना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण देना, समुदाय आधारित जागरूकता अभियान चलाना और जल प्रबंधन को सशक्त करने का काम किया जाएगा। यह एमओयू जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लागू किया जाएगा।आर्ट ऑफ लिविंग' की ओर से व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया के अध्यक्ष रोहित सिक्का एवं मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद की ओर से आयुक्त अवि प्रसाद ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया द्वारा पंचायत स्तर से लेकर राज्य स्तर तक जनहित में ग्रामीण समुदायों को जल संरक्षण, जल प्रदूषण नियंत्रण एवं जल गुणवत्ता सुधार पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसरो सहित अन्य एजेंसियों से प्राप्त रिमोट सेंसिंग डेटा के आधार पर वैज्ञानिक कार्य योजना तैयार की जाएगी। जल संचयन की संभावनाओं को सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से चिह्नित किया जाएगा और इसमें सुधार के लिए तकनीकी सहायता भी दी जाएगी। मनरेगा के अमले को परियोजना रिपोर्ट (ई-डीपीआर) बनाने में सहयोग प्रदान किया जाएगा।

सांची के पेड़े में फफूंद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सांची के पेड़े में फफूंद मिलने का मामला सामने आया है। शिकायत पहुंचते ही भोपाल दुग्ध संघ की क्वालिटी कंट्रोल शाखा की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दरअसल, नर्मदापुरम रोड स्थित विद्यानगर के रहवासी डॉ. सुधीर दानेज द्वारका ने सांची पार्लर से सुबह 8:30 बजे 250 ग्राम पेड़े एक पैकेट खरीदापैकेट खोला तो पेड़ों में फफूंद लगी देखी। पेड़े के इस पैकेट पर शेल्फ लाइफ(एक्सपायरी डेट) 19 अप्रैल अंकित थी। दोपहर करीब 2:30 बजे उन्होंने दुग्ध संघ के ईमेल पर इसकी जानकारी दी। दुग्ध संघ की जांच टीम के सुदीप तिवारी के मुताबिक पैकेट में लीकेज होने के कारण फफूंद लग गई होगी। खाद्य अमले ने फलों, दाल के सैंपल लिए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों से फलों के 15 और मूंग दाल के 6 सैंपल लिए हैं। इन सैंपलों को जांच के लिए भेजा है।

डिजिटल मीडिया के दौर में पारदर्शी और सही समय पर दी गई जानकारी बहुत जरूरी - ज्ञानेश कुमार, सीईओ भारत निर्वाचन आयोग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत आईआईआईडीईएम में मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बदलते मीडिया के बदलते दौर में चुनाव से जुड़े अधिकारियों को बेहतर तरीके से तैयार करना और उनके बीच बेहतर समन्वय बनाना था।

मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आज के डिजिटल मीडिया के दौर में पारदर्शी, सही और समय पर दी गई जानकारी बहुत जरूरी है, ताकि लोगों का चुनाव प्रक्रिया पर विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि मीडिया नोडल अधिकारियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जनता तक

सही जानकारी पहुंचे और वे किसी भी तरह की अफवाहों या भ्रामक खबरों से प्रभावित न हों।

कार्यक्रम में देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी शामिल हुए। इस ओरिएंटेशन के दौरान अधिकारियों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचन पंजीकरण नियम 1960, निर्वाचन संचालन नियम 1961 और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के जरिए सही जानकारी कैसे फैलानी है, गलत सूचनाओं से कैसे निपटना है और मतदाताओं को कैसे जागरूक करना है।

मध्यप्रदेश में पोषण पखवाड़ा 2025: कुपोषण से जंग, स्वस्थ भविष्य की ओर कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में 8 से 22 अप्रैल 2025 तक सातवां पोषण पखवाड़ा पूरे जोश और जागरूकता के साथ मनाया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी राज्य में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से कुपोषण की रोकथाम और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार के इस महत्वपूर्ण अभियान का उद्देश्य आमजन, महिलाओं और बच्चों को पोषण के महत्व को समझाकर एक स्वस्थ समाज की नींव रखना है।

पोषण पखवाड़ा 2025 में प्रमुखता से 4 विषयों जीवन के पहले 1000 स्वर्णिम दिवसों का महत्व, पोषण ट्रैकर ऐप के हितग्राही मॉड्यूल की जानकारी और उपयोगिता, प्रोटोकॉल से गंभीर कुपोषित बच्चों का प्रबंधन और 6 वर्ष से कम बच्चों को मोटापे से बचाने पर फोकस किया जा रहा है।गर्भावस्था से लेकर जन्म के बाद

पहले दो वर्षों तक के 1000 स्वर्णिम दिवस बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बेहद अहम होते हैं। इस दौरान उनके जीवनकाल का 85 प्रतिशत बौद्धिक विकास हो जाता है। पोषण पखवाड़ा में इस अवधि के दौरान पोषण और देखभाल पर विशेष बल देते हुए माताओं को संतुलित आहार और स्तनपान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पोषण ट्रेकर ऐप 'के माध्यम से घर बैठे ही पोषण स्तर की निगरानी करना अब संभव है। यह ऐप आंगनवाड़ी सेवाओं का डिजिटलीकरण करने के साथ हितग्राहियों को भी बच्चों और माताओं के पोषण पर नज़र रखने में सक्षम बनाता है। भारत सरकार द्वारा पोषण ट्रेकर ऐप के अंतर्गत हितग्राही मॉड्यूल विकसित किया गया है। इसमें हितग्राही अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉग-इन बच्चों के पोषण स्तर के विकास की निगरानी के साथ उन्हें केन्द्र से मिलने वाले पोषण आहार की निगरानी घर बैठे कर सकते हैं। प्रदेश में कम्युनिटी मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट मॉलन्यूट्रिशन यानी गंभीर कुपोषण का समुदाय स्तर पर प्रबंधन मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के तहत वर्ष-2020 से प्रारंभ हुआ। पोषण पखवाड़ा में अति गंभीर कुपोषित अति कम वजन एवं मध्यम गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उनकी स्वास्थ्य जाँच तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों की भूख की जाँच कर आवश्यकतानुसार उपचार एवं सामुदायिक स्तर पर परिवार के सहयोग से पोषण प्रबंधन किया जा रहा है।

रोज घंटों मेंटेनेंस, फिर भी जरा सी हवा में उड़ी शहर की बिजली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी साल भर से मेंटेनेंस और बिजली से जुड़े कामों के लिए रोज अलग-अलग इलाकों में 7-7 घंटे तक शटडाउन ले रही है। इसके बावजूद बुधवार देर रात से सुबह 6 बजे तक शहर के तमाम इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। थोड़ी देर की हवा में शहर की बिजली उड़ गई। नए और पुराने शहर दोनों ही जगह ऐसा हुआ। अशोका गार्डन, पंजाबी बाग सौभाग्य नगर और आसपास रात 2:00 बजे से लेकर सुबह 6 के बीच कई बार बिजली की आवाजाही लगी रही। संत हिरदाराम नगर, एयरपोर्ट रोड की कई कॉलोनी में रात को करीब 3 घंटे बिजली सप्लाई ठप रही। पंजाबी बाग के जेपी नेमा ने बताया कि चैट बॉट नंबर 0755 2551222 पर शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की तो वह भी दर्ज नहीं हुई। संत हिरदाराम नगर के रहवासी हरीश आडवाणी की भी यही परेशानी रही। करीब 55 कॉलोनियों में बिजली को लेकर रात और दिन में दिक्कत रही। गर्मी में एसी, कूलर, मिक्सर समेत बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल ज्यादा बढ़ने से बिजली लोड भी बढ़ता है। जिस फीडर और ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ता है वहां ट्रिपिंग और वोल्टेज फ्लकचुएशन की समस्या भी बढ़ जाती है। तेज हवा चलने पर बिजली लाइन के जंपर खराब हो जाते हैं। गर्मी में यदि ट्रांसफार्मर का तेल नहीं बदला जाता है तो उससे भी सप्लाई ठप हो जाती है। आंधी या तेज हवा 11 केवी की लाइन के तार आपस में टकरा गए तो कोई फॉल्ट अर्थ ट्रिप हुआ तो लाइन ट्रिप हो जाती है।

इलेक्ट्रिक बसें-सीएस की कमेटी में ली जाएगी 8 इलेक्ट्रिक बस डिपो बनाने की सहमति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र को मिलने वाली 472 इलेक्ट्रिक बसों के टेंडर होने के बाद अब प्रदेश के 6 शहरों में बनने वाले 8 ई बस डिपो के लिए सरकार सहमति देने के प्रयास में है। चीफ सेक्रेटरी की अध्यक्षता वाली स्टेट लेवल स्टीयरिंग कमेटी (एसएलएससी) की बैठक में इसी हफ्ते इन डिपो का प्रस्ताव रखा जाएगा। भोपाल, इंदौर सहित 6 शहरों में मिलने वाली बसों के लिए ये डिपो बनेंगे। फरवरी में केंद्र से मप्र के लिए 472 इलेक्ट्रिक बसों के टेंडर हो चुके हैं। इन बसों के संचालन के लिए भोपाल-इंदौर में 2-2 और जबलपुर, ग्वालियर, सागर और उज्जैन में 1-1 डिपो बनने हैं। इनका प्रस्ताव तैयार है। इसी हफ्ते सीएस की अध्यक्षता वाली बैठक में इसका प्रस्ताव सहमति के लिए रखा जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव की धूम, शोभायात्रा में उमड़े हजारों श्रद्धालु

मुस्लिम समाज ने फूलों से किया स्वागत

प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में रविवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शोभायात्रा निकाला गया। नगर निगम हनुमान मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बैढ़न स्थित हनुमान मंदिर तक पहुंची। शोभायात्रा के दौरान पूरा शहर जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। रथ पर सवार छोटे बच्चों ने राम, लक्ष्मण, जानकी और हनुमान का रूप धारण कर यात्रा की शोभा बढ़ाई।

यात्रा में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा।

माजन मोड़ नगर निगम मंदिर में अंजनी तिवारी और प्रवीण तिवारी ने विशाल भंडारा कराया। शहर के अलग-अलग मंदिरों में सुबह से ही पूजा-पाठ और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पुराने यातायात तिराहे पर मुस्लिम समाज के लोगों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया।

केंद्रीय गृह मंत्री का उप मुख्यमंत्री ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री निवास में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

बाबा साहेब के सिद्धांत आज भी सभी को देते हैं प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमें एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। उनके विचार और सिद्धांत आज भी हम सभी को प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने डॉ. अम्बेडकर को नमन करते हुए आह्वान किया है कि बाबा साहेब के सपनों के भारत के निर्माण में हम सब अपनी पूर्ण भागीदारी निभाएँ।

सिंगरौली में देर रात महिलाओं में विवाद, जमीन और दुकान को लेकर रिश्तेदार पर किया पथराव

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के सरई इलाके में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शनिवार की देर रात एक से दो बजे के बीच एक ही परिवार की महिलाओं ने अपने रिश्तेदार पर पथराव और चप्पलों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो रविवार को सामने आया है। इसमें कुछ महिलाएं गालियां देते हुए रोहित सोनी नाम पर पत्थर और चप्पलें फेंकती दिख रही हैं। मौके पर डायल 100 की गाड़ी और पुलिस कर्मी मौजूद थे। इसके बावजूद महिलाएं हमलावर बनी रहीं।सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि यह विवाद सोनी परिवार के बीच का है। दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार हैं। जमीन और दुकान को लेकर इनका पुराना विवाद चल रहा है। इससे पहले भी दोनों परिवार झगड़ा कर चुके हैं और दोनों के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

रात करीब एक बजे डायल 100 को विवाद की सूचना मिली। पुलिस को तुरंत मौके पर भेजा गया। रोहित सोनी की शिकायत पर तीन महिलाओं समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दूसरे पक्ष ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसकी जांच की जा रही है।

सिंगरौली में फसल को लगी आग, 5 एकड़ में लगी 100 क्विंटल गेहूं की फसल व ट्रैक्टर-थ्रेसर भी जले

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के सरई इलाके में बलियारा टोला गांव के किसान रामाधार साहू की गेहूं की फसल आग में जलकर राख हो गई है। किसान ने गेहूं की फसल काटकर घर के पास समतल जमीन पर इकट्ठा की थी। सुबह गहाई के लिए ट्रैक्टर और थ्रेसर मशीन मंगाई गई थी। अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बुझाने का मौका नहीं मिला। फसल के साथ-साथ वहां खड़े ट्रैक्टर और थ्रेसर भी जल गए। किसान के अनुसार करीब 100 कुंटल से ज्यादा गेहूं की फसल जल गई है। स्थानीय लोगों ने सरई नगर परिषद को दमकल के लिए सूचना दी। सरई थाना प्रभारी जितेंद्र भदोरिया के अनुसार, जब तक फायर ब्रिगेड को रवाना किया गया, तब तक 5 एकड़ में लगी फसल जल चुकी थी। इस घटना से किसान का परिवार बेहद दुखी है। किसान का कहना है कि अब उनका परिवार दाने-दाने के लिए मोहताज हो जाएगा।

सीधी में शॉर्ट सर्किट से खलिहान में लगी आग, नहीं पहुंची दमकल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के बघोर गांव में रविवार शाम एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई। अमिलिया थाना क्षेत्र के सिहावल चौकी के पास स्थित गांव में शाम 7 बजे खलिहान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

रामसुमिरन शुक्ला समेत तीन किसानों का अनाज खलिहान में रखा था। गहाई के दौरान अचानक लगी आग तेजी से फैली और किसान कुछ भी नहीं बचा पाया। आग से कटी फसल जल गई।

ग्रामीणों ने बाल्टी से पानी डालकर और मिट्टी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग की तीव्रता के कारण उनके प्रयास विफल रहे। दमकल विभाग को सूचना दी गई। लेकिन कोई दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में पिछले कुछ दिनों से आग की कई घटनाएं हो रही हैं। इससे किसानों की फसलें और अनाज जल रहा है। प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। किसान अब मुआवजे की मांग कर रहे हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए उचित व्यवस्था की मांग भी उठ रही है।

लोक जैव विविधता पंजी निर्माण हेतु बैठक का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत हनुमना की जैव विविधता प्रबंधन समिति की बैठक जनपद पंचायत अध्यक्ष गोविन्द नारायण तिवारी, एस.डी.एम. एवं सी.ई.ओ. कमलेश पुरी, जैव विविधता प्रबंधन समिति की अध्यक्ष प्रेमवती पटेल, पी.आई.डॉ. विश्वजीत तिवारी, पी.आई. प्रोफेसर स्कंद कुमार मिश्रा, बी.एम.सी. के जनपद सदस्य गणों, सहयोगी विभागों कृषि, उद्यानिकी, वन, पशु पालन, पंचायत, शिक्षा विभाग के जनपद स्तर के अधिकारियों, कर्मचारियों, जन प्रतिनिधियों गणों, ज्ञान धारकों के उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में हनुमना जनपद पंचायत की लोक जैव विविधता पंजी निर्माण हेतु चर्चा की गई। प्रोफेसर स्कंद कुमार मिश्रा ने पंजी निर्माण हेतु राज्य जैव विविधता बोर्ड से प्राप्त नवीन प्रपत्रों की जानकारी दी तथा विभागवार आंकड़े एकत्रित करने हेतु जनपद क्षेत्र के मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग हेतु चर्चा की गई।

पंजी निर्माण हेतु जनपद क्षेत्र की पंचायतों के रबी, खरीफ , जायद फसलों, अन्न, सब्जी, फूल,फल, वन सम्पदा ,डेयरी, गौशाला, पशु पालन, मछली पालन, वन्य जीव, जल स्रोतों, तालाब, पूजा स्थलों, जल प्रपात, मनोरंजन स्थल आदि के आंकड़ों को एकत्रित किए जाने हेतु कार्ययोजना पर चर्चा हुई। हनुमना जनपद के सेक्टर बार उच्च जैव विविधता युक्त पंचायतों सहित वन अंचल की पंचायतों का चयन किया गया। बैठक में जनपद के जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से पंजी निर्माण हेतु उनके सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक के उपरांत स्थानीय विद्यालयों, पंचायतों का भ्रमण कर शिक्षकों , विद्यार्थियों, ग्रामीण जन, कृषकों से जैव विविधता संरक्षण पहलुओं और पंजी के निर्माण एवं महत्व पर चर्चा कर जागरूक किया गया।

बाइक को बचाने में पलटी स्कॉर्पियो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के झाझ गांव में रविवार दोपहर 1 बजे एक बाइक को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो कार पलट गई। हादसे में कार चालक के सिर में चोट आई है। रामपुर नैकिन थाना पुलिस के मुताबिक, स्कॉर्पियो रीवा जा रही थी, तभी अचानक उसके सामने बाइक आ गई। उसे बचाने के चक्कर में वह अनियंत्रित हो गई। कार पहले मंदिर की दीवार से टकराई। फिर होल्डिंग पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल चालक को रामपुर नैकिन अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे रीवा रेफर किया गया। अस्पताल कर्मचारी संदीप रजक के अनुसार चालक के सिर में चोटें आई हैं। चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। रामपुर नैकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग अवरुद्ध रहा। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से यातायात सुचारु किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और सड़क सुरक्षा के बेहतर इंतजाम की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में घायल को देख रुके मनगवां विधायक, भेजा अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सड़क दुर्घटना में घायल को देख मनगवां विधायक ने अपनी गाड़ी रोक कर मानवता का परिचय दिया और उसे अस्पताल भेजवाया। बताया जाता है कि मनगवां विधायक इंजीनियर नारेन्द्र प्रजापति उस समय अपनी गाड़ी रोक दिए, जब एक व्यक्ति श्रवण दुर्घटना के बाद घायल होकर तड़प रहा था। विधायक ने मौके में ही थाना सागरा को फोन लगाया और इसकी सूचना दी साथ ही घायल को संजय गांधी अस्पताल भेजने की व्यवस्था भी कराई। बताया जाता है कि रामनाथ साकेत एवं पुत्र विमलेश साकेत को अस्पताल भेज कर आवश्यक उपचार की व्यवस्था करते हुए संबल कार्ड धारक होने के कारण उन्हें लाभ भी पहुंचाया ।

शाल श्रीफल भेंटकर योगी जी का लिया आशीर्वाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। परम पूज्य श्री श्री 1008 पीर श्यामनाथ जी महाराज की वरसी महोत्सव श्री 1008 पीर मोहननाथ योगी जी के यादगार दिवस पर कृष्ण नगर स्थित श्री सिद्ध पाढ़ी नाथ मंदिर में आयोजित वार्षिक उत्सव पर समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति परिवार ने श्री योगी गुरु रुद्रनाथ जी का शाल पहनकर एवं श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री योगी जी ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा आप लोग इसी तरह समाजसेवा करके समाज का नाम ऊंचा करें । इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी श्री अशोक चांदवानी संजय वाधवानी मनीष सदानी वरिष्ठ समाजसेवी श्री घनश्यामदास सोनी श्री ओम शुगानी पवन सोनी एवं कई समाजसेवीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तलाक और गुजारा भत्ता की मांग ज्वलंत समस्या : राजगुरु

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जब स्त्री मुक्ति की बात जेहन में आती है तो उक्त समस्या भी दिमाग में कौंध जाती है। आखिर क्यों हो रहा है ऐसा ? शायद इसलिए कि सफलता और आधुनिकता में रंगे उनके मन दूसरे मन को पूरी तरह टटोल नहीं पा रहे और न ही अपने भाव-जगत का विस्तार कर अपना आंतरिक सौंदर्य और संवेदना को दूसरे पर उड़ेल पा रहे। काश वे अपने भीतर बसी स्त्री को नकारने की बजाय उसे समझ पाती। बेटियों को संवेदनशील न बना पाने का दोष उनके मां-बाप पर जाता है वहीं बेटी की गृहस्थी में उनके आवश्यक दखल को भी। हजारों वर्षों से चला आ रहा पुरुष प्रधान समाज, आज पुरुषों के प्रति नारी द्वारा मिल रही ऐसी प्रताड़नाओं से स्त्री प्रधान तो हो नहीं सकता।

शादी जैसा पवित्र बंधन बना व्यापार: शादी जैसे पवित्र बंधन को अब व्यापार बना दिया गया है, फलस्वरूप बहुतायत एलिमोनी अर्थात गुजारा भत्ता के नाम पर मोटी रकम ऐंठने की याचिकाएं अदालत में लंबित हैं। फलस्वरूप एक ऐसा युग जल्द आने वाला है, जहां घर की देखभाल के लिए रोबोट होंगे, भोजन के लिए जोमैटो टोमैटो नामक कंपनियां होंगी और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हमारी इच्छा अनुसार स्विच आन करने पर चीजें प्रकट होंगी और हमें खुश करेंगी और बैटरी खत्म होते ही शांत हो जाएंगी। यह सब कुछ तो होगा परंतु भावनात्मक जुड़ाव नहीं हो पाएगा, जो मनुष्य जीवन को एक बहुत बड़ी शक्ति प्रदान करता है। विश्वास ही एक ऐसा ज्योति पुंज है, जो प्यार के दीपक को रोशन कर देता है। अतः विश्वास जैसे भाव को खंडित न होने दें, ये दोनों पक्षों की आवश्यकता है।

आत्महत्या के केस बढ़ेंगे कुंठा में मानव जीवन: अगर यही चलता रहा तो व्यक्ति और एकाकी होगा मुश्किल परिस्थितियों में तनावग्रस्त होगा, आत्महत्या के केस बढ़ेंगे और मानव दुनियां कुंठा में जाएगी। हो ना हो व्यक्ति का पुरुषार्थ भी प्रभावित हो क्योंकि जब भावनात्मक जुड़ाव नहीं रहेगा तो व्यक्ति अखंड पुरुषार्थ किसके लिए करेगा या संघर्षों में जीने की क्यों कोशिश करेगा वह पलायनवादी हो जाएगा। ऐसी स्थिति में हो सकता है कि भावना प्रेम आध्यात्मिक प्रेरणा देने वाली संस्थाओं का उदय हो, फिर से कोई ओशो युग आए और लोग प्रेम सौहार्द सहयोग भावना, सम्मान पाने के लिए संस्था सदस्य के रूप में जुड़े। क्योंकि हमारे जीवन में भौतिकता का यदि प्रभाव है तो भावना का भी। हो सकता है कि भावनात्मक भूख की पूर्ति के लिए यह मानव मानव नहीं पालतू जानवर पाले। क्योंकि पालतू जानवरों से धोखा पाने की संभावना बहुत कम रहती।

हिंदुत्व को स्थापित करने में अपना सर्वस्व दिया

14 अप्रैल को सतना की धरती में मौजूद रहेंगे शेर सिंह राणा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शेर सिंह राणा ऐसा चेहरा, जो आज तक सरकार न कर सकी उन्होंने किया, भारतीय राजनीति में हिंदुत्व के प्रखर शख्स , 14 अप्रैल को सतना की धरती में रहेंगे मौजूद शेर सिंह राणा जिनका असली नाम पंकज सिंह पुंडीर है जिनका जन्म 17 मई 1976 के दिन रुड़की उत्तराखंड में हुआ था उनके जीवन संगिनी का नाम प्रतिमा सिंह है, भारत का एक ऐसा नायक हैं जिसने अपने जीवन की परवाह न करते हुए इस जिंदगानी में नायक और खलनायक दोनों का कार्य किया है और हिंदुत्व को स्थापित करने में अपना सर्वस्त्र दिया है क्योंकि जिस प्रकार से वह डकैत से सांसद बनी फूलन देवी की हत्या के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद थे और वहां से रहस्यमय तरीके से फरार होकर अफगानिस्तान से भारत के अंतिम हिंदू शासक पृथ्वीराज चौहान की अस्थियां लेकर लौटे और अपना संकल्प पूरा करते हुए पूरे भारत का गौरव वापस लौटाया, वह बात अलग है कि फिर बाद में उन्हें दोबारा कोलकाता में अरेस्ट कर लिया गया यह सब प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है परंतु इतना जरूर है कि उनका साहस और पराक्रम देखकर यही प्रतीत होता है कि यह भारत देश का असली योद्धा है और जिसकी जिंदगी खुद एक फिल्म से बढ़कर है क्योंकि जिस प्रकार से उन्होंने जेल से छूटकर बांग्लादेश होते हुए अफगानिस्तान पहुंचकर वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान के अवशेष लेकर भारत लौटे और क्षत्रियों सहित पूरे भारत देश को गौरवान्वित किया क्योंकि जिस प्रकार से अफगानिस्तान में पृथ्वीराज चौहान के अवशेषों के साथ गलत दुर्व्यवहार होता था वह भारत के सभी नागरिकों को अपमानित करने वाला था जो काम भारत सरकार आज तक नहीं कर सकी उन्होंने अपने अटूट साहस और निश्चय की वजह से कर दिखाया, पृथ्वीराज चौहान जो चौहान वंश के शासक थे एवं अपनी तीरंदाजी की वजह से विख्यात थे और सन 1177 ई से लेकर 1197 ई तक शासन किया था और मेवाड़ों का राज्य स्थापित किया था ,मोहम्मद गौरी के साथ कई बार युद्ध में विजय प्राप्त करने के उपरांत 1197 ईस्वी में वह मोहम्मद गौरी के हाथों मारे गए थे जिसकी अस्थियां अफगानिस्तान के क्षेत्र पर थी, और वहां के लोगों द्वारा उनकी अस्थियों के साथ दुर्व्यवहार कर भारत के लोगों को अपमानित किया जाता था जिससे यह बदला लेने के लिए उन्होंने मन में निश्चय किया और यह असंभव कार्य कर दिखाया, इसके बाद उन्होंने अपने जीवन में राजनीति में आकर चुनाव लड़ा और एक राजनीतिक पार्टी का गठन किया एवं लोगों की सेवा करते रहने का संकल्प लिया, राजपूत एवं क्षत्रिय वंश के लोग उन्हें अपना गौरव मानते हैं क्योंकि उनका संकल्प जो है सभी को प्रेरणा देता है और देशभक्त होने का जज्बा पैदा करता है क्योंकि उनकी जो सोच है कि, जिंदगी लंबी भले ही ना हो गौरव पूर्ण होना चाहिए, सफलता मिले या ना मिले लाइफ में मेहनत इतनी करो कि कोई मलाल नहीं होना चाहिए, आज उनकी इस बहादुरी से हर भारतवासी अपने आप को गौरवांवित महसूस करता है, सतना के पूर्व मंडी डायरेक्टर एवं समाजसेवी गजेंद्र सिंह गुड्डू परसवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे वीर महापुरुष जो सभी के लिए गौरव है 14 अप्रैल को सतना की धरती पर बड़े ही स्नेह पूर्वक आमंत्रित किए जाने पर वह सतना आ रहे हैं और सतना में आयोजित नेता गजेंद्र सिंह गुड्डू परसवाड़ा के यहां आयोजित निजी कार्यक्रम में शिकरत कर रहे हैं जिसकी स्थानीय जनों में काफी चर्चा है क्योंकि वह अपने किए गए कामों की वजह से सभी के दिलों में बसे हुए हैं।

जमीन के विवाद में चचेरे भाई पर हमला, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के पडेनिया गांव में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रविवार शाम करीब 5 बजे पप्पू कोल नाम के युवक पर उसके चचेरे भाइयों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।घटना उस समय हुई, जब पप्पू अपने घर के पास जमीन पर निर्माण कार्य की बातचीत कर रहा था। उसके चाचा के बेटे दादू कोल और लाल कोल ने बिना किसी चेतावनी के हमला कर दिया। पप्पू को सिर, पीठ और हाथों में चोटें आईं।घायल पप्पू को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल सीधी ले जाया गया। वहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित का आरोप है कि वह घर बनाने की योजना बना रहा था, तभी पहले से नाराज चल रहे दोनों भाई वहां आए और उस पर हमला कर दिया।घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।ग्रामीणों के अनुसार पडेनिया में जमीन को लेकर पहले भी कई विवाद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

विचार

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब लगेगी?

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है।

प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी।

भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में सांस्कृतिक संगठनों को भी निभानी होगी विशेष भूमिका

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृति का आधिय बहुत आसानी से आ जाता है अतः इन कार्यों को तासमी प्रवृति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सपन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है।

इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। व्यक्ति से समष्टि की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करें। शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अतः हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अतः आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अतः हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ठ परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्रजीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। 99 वर्षों की साधना के बाद संघ का प्रभाव देश में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, और राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी भावना और हिंदू संस्कृति को ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास तेज हो चुके हैं।

उक्त संदर्भ में संघ द्वारा नवम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान किन्हीं तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर घर घर सम्पर्क अभियान की योजना बनाई गई है, इसका विषय 卐हर गांव, हर बस्ती, हर घर卐 होगा। साथ ही, संघ द्वारा समस्त मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा। प्रत्येक खंड एवं नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, इन बैठकों में एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। प्रयागराज में हाल ही में सम्पन्न महाकुम्भ में समस्त क्षेत्रों में लोग एक साथ आए थे, किसी को भी किसी नागरिक की जाति, मत, पंथ, आदि की जानकारी नहीं थी। विभिन्न नगरों के संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, युवाओं के लिए भी राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियां एवं पंच परिवर्तन पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना विभिन्न प्रांतों द्वारा तैयार की जा रही है।

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थान के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग

की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा। दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

जय भीम पदयात्रा में शामिल हुए सीएम साय ने कांग्रेस पर साधा निशाना बोले-

स्वार्थ के लिए संविधान के साथ किया खिलवाड़

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर.अंबेडकर जयंती से ठीक एक दिन पहले रविवार को रायपुर में जय भीम पदयात्रा निकाली गई। इस यात्रा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा और रायपुर उत्तर के विधायक पूरंदर मिश्रा शामिल हुए। यात्रा तेलीबांधा तालाब से शुरु होकर, अंबेडकर चौक पहुंची। यहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर माला चढ़ाई गई, नेताओं ने जय भीम के नारे लगाए। कार्यक्रम में कुछ युवाओं को सम्मानित भी किया गया मंच से अपने संबोधन के दौरान मंत्री टंक राम वर्मा ने उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा को दक्षिण का विधायक बता दिया, इस गलती के बाद में मंच पर बैठे सभी नेता मुस्कुराने लगे, हालांकि मंत्री वर्मा ने फौरन अपनी गलती को सुधारते हुए पुरंदर को उत्तर का विधायक बताया। कार्यक्रम में अलग-अलग फील्ड में बेहतर काम करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ष्टरूसाय ने कहा- भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है, जो हमें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। हमारा विशाल लोकतंत्र संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है और बाबा साहब इस ग्रंथ के शिल्पकार थे। सभी नेताों ने युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संविधान की मूल भावना के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रिएम्बल वाल पर अपने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मध्यप्रदेश के मऊ में जन्म लेकर कठिन संघर्षों के बाद बाबा साहब ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को एक समावेशी और शक्तिशाली संविधान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिससे नई पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरणा ले सके। साथ ही संविधान दिवस की घोषणा कर देशवासियों को संविधान के प्रति समर्पण का संदेश दिया है। बाबा साहब की दूरदर्शिता की वजह से आज भारत जैसा विशाल देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को लगातार समृद्ध कर रहा है, वहीं भारत के साथ आज़ाद हुए अन्य देश लोकतंत्र को साथ लेकर नहीं चल पाए। उन्होंने युवाओं से भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और उन्हें मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

29 करोड़ साल पुराने समुद्री जीवाश्म के मिले अवशेष

बन रहा एशिया का सबसे बड़ा मरीन फॉसिल-पार्क, दुनियाभर के वैज्ञानिक करेंगे अध्ययन

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में हसदेव नदी के तट पर स्थित आमखेरवा में 29 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जीवाश्म के अवशेष मिले हैं। इस स्थान को अब गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र तलचर संरचना का हिस्सा है, जो गोंडवाना बेसिन में स्थित है। यहां की चट्टानें बलुआ पत्थर, शेल, ब्रेकीएटेड और कंग्लोमेरेट से बनी हैं। इन जीवाश्मों की पहली खोज 1954 में डॉक्टर एस के घोष ने की थी। बाद में लखनऊ के बीरबल साहनी पैलियोसाइंस इंस्टीट्यूट ने इसका सर्वे किया। ये फॉसिल्स उन समुद्री जीवों के अवशेष हैं जो करोड़ों वर्ष पहले यहां मौजूद समुद्र में रहते थे। प्राकृतिक परिवर्तन और पृथ्वी के पुनर्निर्माण के दौरान, समुद्र के पीछे हटने से ये जीव पत्थरों के बीच दब गए। भारत में ऐसे जीवाश्म केवल चार अन्य स्थानों - सुबांसुरी अरुणाचल प्रदेश, राजहरा झारखंड, दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल और खेमगांव सिक्किम में पाए जाते हैं। डीएफओ मनीष कश्यप के अनुसार, यह पार्क छत्तीसगढ़ को वैश्विक मानचित्र पर लाएगा। यह न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि वैज्ञानिकों के लिए शोध का महत्वपूर्ण केंद्र भी होगा। यह स्थल भावी पीढ़ियों को पृथ्वी के प्राचीन इतिहास को समझने में मदद करेगा।

12 लोगों से भरी पिकअप नहर में गिरी...

सती से कोरबा छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरबा. छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार पिकअप पलटकर नहर में गिर गई। इस दौरान नहर के तेज बहाव में 2 बच्चे और 3 महिलाएं बह गई हैं, जबकि 5 लोगों ने नहर से निकलकर अपनी जान बचाई। मामला उरगा थाना क्षेत्र के बमड़वारानी जर्वे के पास का है। मिली जानकारी के मुताबिक करीब 12 लोग पिकअप पर सवार होकर सक्ती जिले से कोरबा जा रहे थे। इसी दौरान पिकअप सवार हादसे का शिकार हो गए। पिकअप चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से भाग निकला हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी सहित पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ ही नगर सेवा के गोताखोरों के साथ पुलिस की भी टीम रेस्क्यू में जुटी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण नहर के पास मौजूद हैं। वहीं सिंचाई विभाग को नहर में पानी कम करने की सूचना दी गई है। बताया जा रहा है कि सभी सक्ती जिले के रेडा गांव से निकले थे। वे कोरबा जिले के मुकंदपुर छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पिकअप वाहन में करीब 12 लोग सवार थे। कुछ लोग तैरकर बाहर भी आ गए। पूछताछ में उन लोगों ने बताया कि, वाहन में जो लोग खड़े थे वही पानी में डूबे हैं। पानी में डूबे 5 लोगों की तलाश जारी है। दरअसल, ये हादसा कोरबा और सक्ती जिले के बॉर्डर पर हुआ है। ऐसे में गोताखोरों की एक टीम सक्ती जिले के ग्राम नगरदा भी रवाना हुई, वहां भी नहर में डूबे लोगों की तलाश की जा रही है। वहीं नहर से पिकअप वाहन को निकाल लिया गया है।

कन्हेरा में 6 मवेशियों की मौत

कांग्रेस ने कहा सरकार की कमियों से गायों को नहीं मिल रहा चारा-पानी जिससे जा रही जान...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर के इंडस्ट्रियल एरिया उरला के पास कन्हेरा में 6 मवेशियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि, कुछ दिनों पहले कुछ सरकारी गोडाउन से सामग्री को श्मशान घाट के पास फेंका गया था। उन्हीं फेंके गए सामग्रियों को खाने से मवेशियों की मौत हुई है। सूचना मिलने के बाद गांव वाले और पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। गायों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शासकीय पशु चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि, मवेशियों की मौत किन कारणों से हुई है, इसकी जांच की जा रही है। गांव वाले बताते हैं कि, एक शासकीय गोदाम जिसे सरकार ने किराए पर ले रखा था उसके अंदर रखे गोदाम को खाली किया गया और जो कचरा सामग्री वहां से निकला उसे श्मशान घाट के पास फेंका गया। जिसे गायों ने खा लिया और बड़ी संख्या में मौत हो गई। संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद ने कहा कि, गांव में गौठान है लेकिन वह बंद है। प्रदेश में गौठानों को बंद नहीं किया जाता तो इस गर्मी में गायों को चारा पानी की व्यवस्था होती। जिस प्रकार से जहरीला पदार्थ खाकर गायों की मौत हुई है इस मौत के लिए सरकार जिम्मेदार हैं। पिछले सवा साल से प्रदेश में गायों की मौत हो रही है। यह पहली घटना नहीं है। कन्हेरा गांव के श्मशान घाट के पास सिर्फ गायों के शव पड़े है। वहां का वीभत्स मंजर है। गायों की मौत की जिम्मेदारी सरकार ले। इस घटना का जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई करें।

पुलिस जांच में जुटी

बड़ी संख्या में गायों की मौत को लेकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का जाकर निरीक्षण किया है। वहीं गायों के शव को पोस्ट मार्टम के लिए शासकीय पशु चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मवेशियों की मौत किन कारणों से हुई है। इस बात का पता लगाया जा रहा है। वहीं, गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस ने साधा निशाना

मवेशियों की मौत को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुला ने कहा कि, सरकार की लापरवाही से राजधानी के उरला से लगे हुए कन्हेरा गांव में 50 से अधिक गायों की मौत हो गई।

रायपुर में पुलिसवाले से धक्का-मुक्की, NSUI ने घेरा थाना

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में दो दिन पहले पुलिस थाने के भीतर विवाद हुआ है। इस विवाद के बाद करीब आधे दर्जन लड़कों ने पुलिसवालों के साथ धक्का मुक्की की। जिसके बाद पुलिस ने सरकारी काम में बाधा के मामले में FIR दर्ज किया। मामले में कई युवकों को आरोपी बनाया लेकिन इनमें से एक युवक का कहना है कि वो निर्दोष है। वह केवल सूचना देने थाने आया था। जिसके बाद युवक के पक्ष में हस्द्ध ने पुलिस थाने का घेराव कर दिया। इस मामले में रायपुर NSUI जिलाध्यक्ष शांतनु झा का कहना है कि प्रवीण सरोज नाम का युवक सड़क से गुजर रहा था। इस दौरान दो पक्ष आपस में लड़ाई कर रहे थे। इसकी सूचना देने के लिए वह पुलिस थाने गया था। तो वहां पर पुलिसकर्मियों ने थाने के भीतर धक्का मुक्की में उसे भी आरोपी बना लिया। NSUI ने इस मामले में थाना प्रभारी को जांच कर FIR रद्द करने की मांग की है। वहीं थाना प्रभारी सुनील दास का कहना है कि इस मामले में सीसीटीवी देखकर जांच की जायेगी। यह पूरी घटना शुक्रवार रात 12-1 बजे के आसपास बजे की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हर्षदीप, आकाश जांगड़े, राधे यदु और अन्य लोग आमानाका इलाके के एक ढाबे में गए थे। जहां का ढाबा संचालक के साथ विवाद हुआ। इसके बाद ढाबा संचालक थाने पहुंचा। तो उनके साथ सभी युवक भी पहुंच गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे की गलती बताते हुए पुलिस से शिकायत की।इस दौरान ड्यूटी में मौजूद एएसआई रमेश चंद्र यादव और नाइट पेट्रोलिंग स्टाफ थाने में ड्यूटी कर रहा था। ढाबे के विवाद में पुलिस की कार्यवाई को लेकर आरोपी नाराज हो गए। उन्होंने थाने में बदसलूखी की शुरू कर दी। जब पुलिस वालों ने रोकने की कोशिश की तो वह उनके साथ धक्का मुक्की करने लगे। इस दौरान ASI का कॉलर भी पकड़ लिया गया। धक्का मुक्की में-स्द्ध यादव जमीन पर गिर गए। इस मामले में पुलिस ने सरकारी काम में बाधा के मामले में आरोपियों के खिलाफ एक्शन लिया है।

अवैध रेत खनन से जोखिम में बच्चों की जान

ड्राइवर ने कहा किश्त देने के लिए हैं मजबूर

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरबा में रेत माफिया का कारोबार बेलगाम हो गया है। भिलाईखुर्द और इमलीडुग्गू की नदियों से दिन-रात अवैध रेत खनन जारी है। इस कारोबार में नाबालिग बच्चों की जान जोखिम में डाली जा रही है। पूर्व पार्षद सुफल दास महंत ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि रेत तस्कर पुलिस और खनिज विभाग को नियमित रूप से पैसे पहुंचाते हैं। इसी वजह से उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। अब तक इस अवैध कारोबार में पांच लोगों की जान जा चुकी है। ट्रैक्टर चालकों ने खुद स्वीकार किया है कि वे मजबूरी में यह काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर रेत की चोरी नहीं करेंगे तो ट्रैक्टर की किश्त कैसे चुकाएंगे। खनिज विभाग की लापरवाही से सरकारी खजाने को लाखों का नुकसान हो रहा है। पूर्व पार्षद ने बताया कि विभाग को सूचना देने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। अधिकारी महज दिखावे की कार्रवाई करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर रेत का अवैध कारोबार नहीं रुका तो और जानें जा सकती हैं।

भिलाई में निगम ने 60 से ज्यादा घरों पर चलाए बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

भिलाई छत्तीसगढ़ के भिलाई के गौतम नगर खुर्सीपार वार्ड 42 में अतिक्रमण पर निगम का बुलडोजर चला है। रविवार सुबह से निगम की टीम मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने 60 घरों को तोड़ने पहुंची। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। निगम के अधिकारियों ने पहले ही गौतम नगर में बुलडोजर चलाने की प्लानिंग कर ली थी। पूरी टीम सुबह 8 बजे गौतम नगर पहुंच गई थी। मकान तोड़ने के दौरान लोग सड़क पर उतरे, लेकिन पुलिस ने विरोध करने नहीं दिया। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने निगम के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि लोगों को मोहलत नहीं दी गई। बिना शिफ्टिंग के एक घर नहीं तोड़ने देंगे। यहां किसी की गुंडागर्दी नहीं चलेगी। खुर्सीपार वार्ड 42 के पार्षद विनोद सिंह ने बताया कि वहां नाले और मेन सीवरेज लाइन के ऊपर 250 से ज्यादा घर अतिक्रमण करके बना लिए गए हैं। निगम ने उन लोगों को 10 से ज्यादा बार नोटिस दिया है। इसके बाद भी लोग अतिक्रमण खाली नहीं कर रहे थे। इसके बाद कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक निगम की टीम मेन सीवरेज लाइन को क्लियर करने के लिए इसके दोनों तरफ 5-5 फीट एरिया में हुए अतिक्रमण को तोड़ेगा। इसके बाद इस नाले और सीवरेज लाइन को बनाया जाएगा। पार्षद विनोद सिंह का कहना है कि मेन सीवरेज लाइन एक बार बन गई तो खुर्सीपार की सीवरेज की समस्या आने वाले 50 सालों के लिए खत्म हो जाएगी। सीवरेज लाइन और नाले में अतिक्रमण होने से सबसे अधिक समस्या बारिश में होती है। यहां पानी का सही बहाव ना होने से पानी लोगों के घरों के अंदर तक घुस जाता है। यहां की सड़कें पानी में डूब जाती हैं। इससे लोगों को काफी परेशानी होती है। नगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने का काम खुर्सीपार जोन 1 से शुरू किया है। यहां करीब 60-70 घर टूटेंगे। इसके बाद जोन 2 में करीब 80 घर और जोन तीन में 70-80 घर मिलाकर कुल 200 से ज्यादा बेजा कब्जा मकानों को तोड़ा जाएगा। ये सभी मकान मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने हुए हैं। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि बिना नोटिस दिए मकान तोड़ दिए। बच्चों के साथ परिवार सो रहे थे। बुलडोजर लगाकर तोड़ा।

निगम की गुंडागर्दी नहीं चलेगी...

सामान निकालने का भी मौका नहीं दिया। आपकी यहां गुंडागर्दी नहीं चलेगी। बिना मकान अलॉट किए कैसे मकान तोड़ दिए। देवेंद्र यादव ने कहा कि कलेक्टर से मेरी बात हुई है। उन्होंने 4-5 मकान तोड़ने की बात कही है, लेकिन आप लोगों ने पूरे मकान तोड़ दिए। जब तक लोगों की शिफ्टिंग नहीं हो जाती, तब तक किसी का मकान नहीं टूटेगा। एक लाइन में बता दिया। गुंडागर्दी नहीं चलने देंगे।नाले की सही से सफाई ना हो पाने से यहां का गंदा पानी सप्लाई की पाइपलाइन में घुसता है। इससे लोग गंदा पानी पीते हैं। इसके चलते हर साल यहां पीलिया और डायरिया की बीमारी फैलती है। अभी दो महीने पहले ही इस वार्ड में पीलिया फैला हुआ था।

रायपुर में राजस्थान-एमपी के युवक गांजा तस्करी करते अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में राजस्थान और मध्य प्रदेश के 2 युवकों को पुलिस ने गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी आत्मानंद सरकारी स्कूल के पास घूमते हुए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। इसकी भनक पुलिस को लग गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों घेराबंदी कर पकड़ लिया। यह पूरा मामला गंज थाना क्षेत्र का है। 11 अप्रैल को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि गंज थाना क्षेत्र के नहरपारा के आत्मानंद स्कूल के पास दो व्यक्ति संदिग्ध तरीके से घूम रहे हैं। उन्होंने अपने पास गांजा रखा हुआ है, जिसे वह बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। आरोपियों की घेराबंदी कर तलाशी ली गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम आकाश कुशवाहा और निलेश मालवीय बताया। ये राजस्थान और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास नशीला पदार्थ गांजा रखा मिला। इसके बाद आरोपी पुलिस टीम को गुमराह करने लगे। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को नारकोटिक्स एक्ट में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गांजा कहां से लेकर आया था पुलिस इस बारे में पूछताछ कर रही है। आरोपी के पास से करीब दो लाख रुपए का माल जब्त हुआ है।

कॉल पर बातकर फंदे पर लटकी गर्लफ्रेंड, नाबालिग बॉयफ्रेंड ने बेइज्जत किया

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक युवती ने अपने नाबालिग बॉयफ्रेंड से VIDEO कॉल पर बात करने के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को बार-बार बेइज्जत किया। गाली-गलौज की, फिर कहा कि तुम मर जाओ, तो युवती ने जान दे दी। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाली युवती का नाम राधिका साहू (19) है, जो कोरबा के सीएसईबी चौकी क्षेत्र के 15 ब्लॉक क्षेत्र की रहने वाली थी। बिलासपुर में किराए के मकान में रहकर ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। दरअसल, 3 अप्रैल को राधिका साहू की फंदे पर लटकती लाश मिली थी। राधिका साहू बिलासपुर से कोरबा अपने घर आई थी। इस दौरान मां घर में थी। मां को लगा कि बेटी थकी हुई है और कमरे में आराम कर रही है, लेकिन काफी देर तक कमरे से बाहर निकली तो मां कमरे में देखने गई। इस दौरान जब मां ने आवाज लगाई तो अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इस पर कमरा खुलवाने की कोशिश की गई, लेकिन कमरा अंदर से बंद था। मां ने खिड़की से झांककर देखा तो राधिका का शव फंदे से लटक रहा था। बेटी को फंदे पर देखकर मां चीखने लगी। आवाज सुनकर दूसरी बेटी मौके पर पहुंची। दोनों ने पड़ोसियों और पुलिस को वारदात की जानकारी दी। सीएसईबी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने कमरे से मोबाइल फोन भी बरामद किया। युवती के पिता कमलेश साहू ने बताया कि वह पेशे से ड्राइवर हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। राधिका उनकी सबसे छोटी बेटी थी। उस दिन बेटी बहुत परेशान दिख रही थी। घर पर किसी से ज्यादा बात नहीं कर रही थी।हम लोगों ने पूछने की बहुत कोशिश की, लेकिन कुछ बताया नहीं। पुलिस ने बताया कि दोनों सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से संपर्क में थे। मोबाइल फोन खंगालने पर विवाद की बात सामने आई। इसके बाद आरोपी बॉयफ्रेंड को पकड़ा गया। आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है। नाबालिग बॉयफ्रेंड को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया, जहां से बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुष्पा की तर्ज पर गांजे की तस्करी, ओडिशा से लेकर आ रहे थे,18 लाख का गांजा जप्त

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरिया .फिल्म पुष्पा की तर्ज पर नए पिकअप में चेंबर बनाकर गांजे की तस्करी कर रहे एक युवक को कोरिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पिकअप के चेंबर में 92 किलो गांजा भरा मिला। जब्त गांजे की कीमत 18 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी ओडिशा के संबलपुर से गांजा लेकर निकला था। कोरिया तक पहुंच भी गए। गांजे की खेप मध्यप्रदेश में खपाई जानी थी। जानकारी के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर पटना पुलिस ने अंबिकापुर से बैकुंठपुर की ओर जा रहे सफेद रंग के नए पिकअप को रोका और जांच की। वह पिकअप खाली था। इस पिकअप के नीचे चेंबर नुमा बॉक्स बना था। पुलिस ने नीचे बने चेंबर नुमा बॉक्स की जांच की तो उसमें गांजे से भरे 90 पैकेट रखे हुए थे। पिकअप का नंबर भी नहीं आया है। पुलिस ने पिकअप के चालक दीपेश कुमार शाह (30) निवासी मझौली, बैढ़न जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश को हिरासत में लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह संबलपुर, ओडिशा से गांजा लेकर आ रहा था। गांजा एमपी के बैढ़न में खपाया जाना था। आरोपी ने बताया कि गांजा तस्करी के लिए नए पिकअप की ट्राली में चेंबर नुमा बाक्स बनाया गया था। जब्त गांजे का बाजार मूल्य 18 लाख 20 हजार रुपए है। आरोपी दीपेश शाह ओडिशा से चेंबर नुमा बाक्स में गांजा भरकर निकला था। वह छत्तीसगढ़ के दर्जनभर थाना क्षेत्रों को पार कर पटना तक पहुंचा था। पिकअप खाली था तो पुलिस ने पिकअप की जांच नहीं की। पुलिस ने गांजे के साथ पिकअप को भी जब्त कर लिया है।

शाह बोले- सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस बांटेंगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए। शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगी और रसोई गैस वितरण भी संभालेंगी। सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत-प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था।

आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ। साढ़े तीन साल के समय में मोदी जी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में बहुत बड़ा बदलाव लाने का काम किया।

आतंकी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लेगी एनआईए

नई दिल्ली (एजेंसी)। तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी रविवार को तीसरे दिन पूछताछ करेगी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लिए जा सकते हैं। इससे पता लगाएगी कि क्या तहव्वुर नवंबर 2008 के हमलों के दौरान फोन पर निर्देश (इंस्ट्रक्शन) दे रहा था। वॉयस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर की सहमति जरूरी होगी। मना करने पर एनआईए कोर्ट जा सकती है। शनिवार को एनआईए की पूछताछ में एक कर्मचारी बी का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। अब एनआईए राणा और कर्मचारी बी को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी। एजेंसी के मुताबिक कर्मचारी बी को आतंकी साजिश की जानकारी नहीं थी। वह सिर्फ राणा के निर्देश पर हेडली के लिए रिसेप्शन, ट्रांसपोर्ट, ठहरने की जगह और ऑफिस की व्यवस्था करता था। डेविड हेडली मुंबई हमले का मास्टरमाइंड था।

17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार सहित 17 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी है। असर दिल्ली तक देखने को मिल सकता है। राजस्थान में शनिवार को बिजली-आंधी से 2 लोगों की मौत हो गई है। बिजली की चपेट में आने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलस गए। वहीं, सिरोही में शुक्रवार देर रात तेज आंधी के चलते पेड़ गिरने से एक महिला की जान चली गई। यूपी में अगले 24 घंटे तक 47 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बिजली के साथ ओले भी गिरने की आशंका है। बिहार में आज पटना समेत 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। एमपी के 24 जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रियता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल के बाद राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने का अनुमान है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री पार पहुंच सकता है।

मारे गए जैश आतंकियों के पास से पाकिस्तानी सामान बरामद

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने 1 एम4 राइफल, 2 एके 47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एम4 गोलियां और एके 47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 1 एम4 राइफल, 2 एके 47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एम4 गोलियां और एके 47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता लिखा है। अधिकारियों के अनुसार मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के थे। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था।

पेट्रोल-डीजल पर 15 लीटर कमा रहीं कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल की कीमतें चार साल के? सबसे निचले स्तर (65.41 डॉलर प्रति बैरल) आ गई हैं। इससे पहले अप्रैल 2021 में दाम 63.40 डॉलर प्रति बैरल थे। इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मौजूदा समय में तेल कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर ?12-15 और डीजल पर 6.12 का मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद, तेल कंपनियों ने पिछले एक साल से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है।

वक्फ कानून पर बंगाल में हिंसा

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में 11-12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिसके बाद वहां से हिंदुओं ने पलायन कर दिया है।

वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। इनमें 300 बीएसएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बैन है। इलाके में धारा 163 भी लागू है। इधर, मुर्शिदाबाद के धुलियान से करीब 500 लोग पलायन कर गए हैं। इन सभी ने नदी पार मालदा के वैष्णवनगर में एक स्कूल में शरण ली है। इन लोगों का आरोप है कि उनके घरों में तोड़फोड़-आगजनी की गई। पीने के पानी में जहर मिला दिया गया है। ये किसी तरह बीएसएफ की मदद से वहां से बचकर आए हैं। वहीं, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने एक बैठक की।

आतिशी बोली- सीएम के पति का सरकार चलाना खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाया कि उनके पति सरकार चला रहे हैं। आतिशी ने एक्स पर फोटो शेयर कर लिखा- इन फोटो को ध्यान से देखिए। जो व्यक्ति एमसीडी, डीजेबी पीडब्ल्यूडी और डीयूएसआईबी के अफसरों की मीटिंग ले रहे हैं, यह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता हैं।

आतिशी ने दिल्ली में हो रहें पावर कट और बढ़ती स्कूल फीस को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- क्या रेखा गुप्ता को काम संभालना नहीं आता? इसी वजह से दिल्ली में रोज लंबे-लंबे पावर कट हो रहे हैं? प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ रही है? वहीं, इसके जवाब में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा कि किसी भी पति का अपनी पत्नी को समर्थन करना सामान्य बात है।

एक्स पर सचदेवा ने लिखा - मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से इस पद तक पहुंची हैं और यह बिल्कुल सामान्य बात है कि परिवार के सदस्य उनका समर्थन कर रहें हैं।

अनिल विज का ममता बनर्जी पर तंज-हिंसा उनका शौक

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला में हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने वक्फ बिल को लेकर पश्चिम बंगाल में चल रही हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और कहा कि ममता बनर्जी को रियल टाइम एक्शन फिल्में देखने का शौक है। दरअसल मंत्री अनिल विज पत्रकारों से बात कर रहे थे जब उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि ये सब अब ममता बनर्जी का शौक बन गया है जिसमें सड़कों पर आग लग रही है, लोगों की दुकानें जल रही हैं और लोग एक दूसरे का पेट फाड़ते रहते हैं। ये सब देखना ममता बनर्जी का शौक है और वो कुछ महीनों के बाद ये एक्शन फिल्में देख लेती हैं। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि बंगाल में हो रही हिंसा पहली बार नहीं है। यह हिंसा समय-समय पर दोहराई जाती है। उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों से पारित कानून के खिलाफ विरोध का मामला चिंता का विषय है। ममता बनर्जी की सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा सिर्फ उनके राज्य में ही क्यों हो रहा है? कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा भाजपा के दस नेताओं को आईएसआई एजेंट बताए जाने पर पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह का काम कहानियां गढ़ना है। पहले चंदा मामा की कहानियां हुआ करती थीं, अब दिग्विजय सिंह की कहानियां हैं। मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस का काम देश के गद्दारों से हाथ मिलाना है, भाजपा का एक भी नेता देश के गद्दारों से हाथ नहीं मिला सकता।

प्रधानमंत्री मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि 'आने वाली पीढ़ियां हमेशा उनके अदम्य साहस को याद रखेंगी'। औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को 1919 में आज ही के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी।" उन्होंने कहा, "यह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था।

बॉलीवुड अभिनेता मनोज कुमार के बेटों ने किया पिंडदान

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में बॉलीवुड के प्रख्यात अभिनेता और भारत कुमार के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय मनोज कुमार की आत्मिक शांति के लिए उनका परिवार सरस्वती तीर्थ पर आया। यहां उन्होंने सरस्वती के पावन तट पर अपने पिता की आत्मिक शांति के लिए पिंडदान कर धार्मिक अनुष्ठान किया। परिवार ने पुरोहित के पास अपनी वंशावली भी देखी। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मनोज कुमार के बेटे कुणाल और विशाल पिहोवा के सरस्वती तीर्थ पर पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पिता के निमित्त विधिपूर्वक पिंडदान किया और पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे भगवान कार्तिकेय के मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धाभाव से कार्तिकेयजी को तेल अर्पित किया। उन्होंने बड़े शिवालय पृथ्वेश्वर महादेव मंदिर में भी दर्शन किए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जलियांवाला बाग में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1919 में जलियांवाला बाग में जान गंवाने वालों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा। औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को 1919 में आज ही के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "जलियांवाला बाग में भारत माता के लिए, मरमिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों को मैं सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा।" उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि उन अमर बलिदानियों से प्रेरणा लेकर सभी देशवासी भारत की प्रगति में पूरे तन-मन-धन से अपना योगदान देते रहेंगे।

कार-ट्रेलर की टक्कर में बैंक मैनेजर-इंजीनियर समेत 5 की मौत

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के जमवारामगढ़ में रविवार सुबह ट्रेलर-कार की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर, उसकी बैंक मैनेजर पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के है। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेलर रोड से नीचे उतरकर पलट गया। कार से शवों को निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया- हादसा सुबह करीब 8 बजे मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ है। लखनऊ के रहने वाले सत्य प्रकाश (60), उनकी पत्नी रामा देवी (55), बेटा अभिषेक (35), बहू प्रियांशी (30) और 6 महीने की पोती वर्ना कार से खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। इसी दौरान नेकावाला टोल के पास कार और ट्रेलर की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

प्रियांशी | अभिषेक | सत्य प्रकाश (6 महीने की पोती) | रामा देवी

मानसा में खालिस्तानी झंडे वाली रैली रोकी

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा जिले में पुलिस ने खालिस्तानी झंडे के साथ निकलने वाली रैली को रोक दिया। गांव रड्ड से शुरू होने वाली इस रैली में कहीं भी खालिस्तानी झंडा नहीं लहराने दिया गया। इस बीच, शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान ने गांव रल्ला में अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि गुरपतवंत पन्नू को बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ बयान नहीं देना चाहिए। मान ने बैसाखी के मौके पर कहा कि यह सिखों के लिए महत्वपूर्ण दिन है। पहले बैसाखी पाकिस्तान में मनाई जाती थी। अब तख्त श्री दमदमा साहिब में मनाई जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को अलग करते समय सिखों की राय नहीं ली गई। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। कहा कि सरकार कभी भी सिखों के हितों की बात नहीं करती। युवाओं की शांतिपूर्ण रैली को रोकने पर भी सवाल उठाया।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार-गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी। गडकरी ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो। गडकरी ने कहा, "हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।" उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, "हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।" उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी। उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं।

संविधान संशोधन सुप्रीम कोर्ट करेगा तो सदन क्या करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ज्यूडिशियल ओवररीच बताया है। ज्यूडिशियल ओवररीच का मतलब कोर्ट का सीमा पार कर कार्यपालिका और विधायिका में दखल होता है। उन्होंने आगे कहा, कोर्ट संविधान संशोधन करेगा, तो संसद और विधानसभा की क्या भूमिका रहेगी? केरल राज्यपाल ने कहा- संविधान में गवर्नर के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की समय सीमा नहीं है। कोर्ट द्वारा 3 महीने की सीमा तय करना संविधान संशोधन जैसा है। दो जज संविधान का स्वरूप नहीं बदल सकते। न्यायपालिका खुद मामलों को वर्षों लंबित रखती है, ऐसे में राज्यपाल के पास भी कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा, केरल राजभवन में कोई बिल लंबित नहीं है। कुछ बिल राष्ट्रपति को भेजे गए हैं। गौरतलब है कि केरल सरकार भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट गई है, जिस पर 13 मई को सुनवाई है। केरल सरकार ने सीजेआई संजीव खन्ना से अपना केस जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच को भेजने का आग्रह किया है। अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया।

आईपीएल 2025 में गेंदबाजों ने दिखाया दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के सीजन में गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, खासकर मेडन ओवर्स के मामले में। अब तक खेले गए मैचों में कुल चार मेडन ओवर्स देखने को मिले हैं और यह दिलचस्प है कि इन सभी ओवर्स में गेंदबाजों ने विकेट भी चटकाए हैं। जोफ्रा आर्चर, वैभव अरोड़ा, मुकेश कुमार और मोईन अली जैसे गेंदबाजों ने यह कमाल किया और उनकी टीमों ने इन मैचों को जीत भी हासिल की। सीजन 2025 का पहला मेडन ओवर जोफ्रा आर्चर ने फेंका था, जब राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ। इस मैच में आर्चर ने न केवल एक मेडन ओवर फेंका, बल्कि रचिन रवींद्र को आउट कर टीम को जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में चेन्नई को छह रन से हराया। इसके बाद, वैभव अरोड़ा ने भी आईपीएल 2025 का दूसरा मेडन ओवर फेंका, जब कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से था। अरोड़ा ने इस ओवर में एक महत्वपूर्ण विकेट लिया और कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन से हराया। मुकेश कुमार ने 10 अप्रैल को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ तीसरा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान मुकेश ने एक विकेट लिया और दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में आरसीबी को छह विकेट से मात दी। अंत में, मोईन अली ने 11 अप्रैल को चेन्नई में खेले गए मैच में चौथा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान उन्होंने एक विकेट लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स को मजबूत स्थिति में रखा और उनकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हराया।

इन चारों मेडन ओवर्स ने यह साबित कर दिया कि जब गेंदबाज कड़ी मेहनत और सटीकता के साथ खेलते हैं, तो टीम को जीत दिलाना संभव हो जाता है। इन गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी ने मैच के दौरान दबाव बनाने के साथ-साथ विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाल दिया, जिससे उनके साथी खिलाड़ियों को जीत की दिशा में मदद मिली। आईपीएल 2025 के इस सीजन में मेडन ओवर्स के जरिए गेंदबाजों ने अपनी क्षमता को साबित किया और टीमों के लिए महत्वपूर्ण जीत दिलवाने में अहम भूमिका निभाई।

श्रेयस अय्यर ने पारी में जड़े 6 छक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2025 के 27वें मैच में गजब की पारी खेली। उनकी पारी के दम पर पंजाब किंग्स की टीम ने हैदराबाद केखिलाफ 245 रन का स्कोर खड़ा किया। जो आईपीएल के इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। श्रेयस ने अपनी पारी के दौरान 6 छक्के जड़े और विराट कोहली और एमएस धोनी का ये रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि संजू सैमसन की बराबरी कर ली। हैदराबाद के खिलाफ श्रेयस अय्यर ने अपनी पारी के दौरान 36 गेंदों का सामना किया और 6 छक्के भी लगाए। उन्होंने 227.78 की स्ट्राइक रेट के साथ 82 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी ने टीम के स्कोर को 245 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। अपनी पारी में 6 छक्के लगाते हुए श्रेयस ने एमएस धोनी और विराट कोहली को पछाड़ दिया है। आईपीएल में बतौर कप्तान श्रेयस अय्यर 6 या उसे ज्यादा छक्के लगाने का कमाल एक पारी में चौथी बार किया है और धोनी-कोहली से आगे निकल गए हैं। जिन्होंने ऐसा 3-3 बार किया था। इस लीग में बतौर कप्तान अब श्रेयस अय्यर एक पारी में 6 या उससे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में पहले नंबर पर संजू सैमसन के साथ आ गए हैं।

हेड बोले, स्टोइनिस और मैक्सवेल से विवाद नहीं मामूली हंसी मजाक हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हुए मुकाबले में तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ट्रेविस हैड, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच बहस हुई थी। इसी को हेड ने अब सामान्य बात बताया है। इस मैच में अभिषेक शर्मा की 141 रनों की आक्रामक पारी से सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स पर जीत हासिल की। मैच में हेड की मैक्सवेल और स्टोइनिस के साथ नौवें ओवर में बहस पर हो गयी थी। इस पारी के नौवें ओवर के दौरान मैक्सवेल को गेंदबाजी कर रहे थे। ऐसे में ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर ही हेड ने मैक्सवेल पर लगातार जो छक्के लगा दिये। इससे मैक्सवेल परेशान हो गये। इसके बाद मैक्सवेल ने हेड को कुछ कह दिया। ओवर पूरा होने के बाद हेड ने इसपर नाराजगी जतायी। इसे बाद हेड और मैक्सवेल में बहस होने लगी। जब ये बढ़ती गयी तो अंपायर ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद स्टोइनिस भी बीच में आ गये जिससे एक बार फिर बहस होने लगी। वहीं मुकाबले के बाद हेड ने बहस को सामान्य बताने का प्रयास किया। इस सलामी बल्लेबाजी ने कहा, 'जब आप किसी को अच्छी तरह से जानते हैं तो आप एक-दूसरे की सबसे अच्छी और सबसे कठोर बातें कह देते हैं। इस बार भी मैच में ज्यादा गंभीर बात नहीं थी, बस थोड़ी हंसी-मजाक हो रही थी। साथ ही कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी जो हमने हासिल की।

अभिषेक की पारी देखकर हैरान हुए युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आतिशी पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। अभिषेष ने इस सत्र में शुरुआती मैच में असफल होने के बाद 141 रनों की शतकीय पारी के साथ जबरदस्त वापसी कर अपनी टीम को जीत दिलाया है। युवराज अभिषेक के मेंटोर रहे हैं, ऐसे में अपने शिष्य की इस पारी को देखकर वह खुश होने के साथ ही हैरान भी हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी में केवल 55 गेंदों पर ही 141 रन बना दिये थे। युवराज ने अभिषेक की पारी के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, वाह शर्मा जी के बेटे। 98 पर सिंगल फिर 99 पर सिंगल। इतनी परिपक्वता हजम नहीं हो रही । शानदार पारी खेली, देखने में आनंद आया। इस मैच में अभिषेक लकी रहे थे क्योंकि उन्हें पारी के चौथे ओवर में ही यश ठाकुर की चौथी गेंद पर ही शशांक ने कैच किया था पर यह गेंद नो बाल हो गई थी। तब इस बल्लेबाज ने पचास रन भी नहीं बनाये थे। इस मौके का अभिषेक ने पूरा लाभ अठाया और एक नया रिकार्ड बना दिया।

अभिषेक शर्मा ने खेली तूफानी पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में अपना शतक जड़ दिया है। दरअसल, अभिषेक ने इस दौरान 41 गेंदों में 11 चौके और 6 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। अभिषेक ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 171 रन की साझेदारी की। इस मैच में अभिषेक को दो जीवनदार मिले। जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। आईपीएल 2025 का 27वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। जिसे एसआरएच ने अपने नाम किया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 246 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने

कप्तानी पारी खेलते हुए 82 रन की पारी खेली। 247 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की पारी को ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दी। दोनों पहले पांच ओवर में 76 रन जोड़े। वहीं अभिषेक शर्मा को 3.4 ओर में जीवनदान मिला जब यश ठाकुर की गेंद पर वह कैच आउट हो गए लेकिन थर्ड अंपायर ने नो-बॉल करार दिया। क्योंकि यश ठाकुर का पैर क्रीज से बाहर था। इसके बाद युजवेंद्र चहल ने कैच छोड़ दिया। इसके बाद तो अभिषेक का बल्ला नहीं रुका और उन्होंने महज 19 गेंद में अपना पचासा पूरा किया। इसके बाद अभिषेक और बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी करते दिखे।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हैदराबाद में चौके और छक्कों की बाढ़ सी ला दी और 40 गेंद पर 11 चौके और छक्कों की मदद से अपना पहला आईपीएल शतक जड़ा। ये हैदराबाद की तरफ से दूसरा सबसे तेज शतक रहा। ट्रेविस हेड ने हैदराबाद के लिए सबसे तेज शतक लगाया। हेड ने 39 गेंद में ये कमाल किया है।

मैनचेस्टर सिटी ने शानदार वापसी की, आर्सेनल ने अपना मैच ड्रॉ खेला

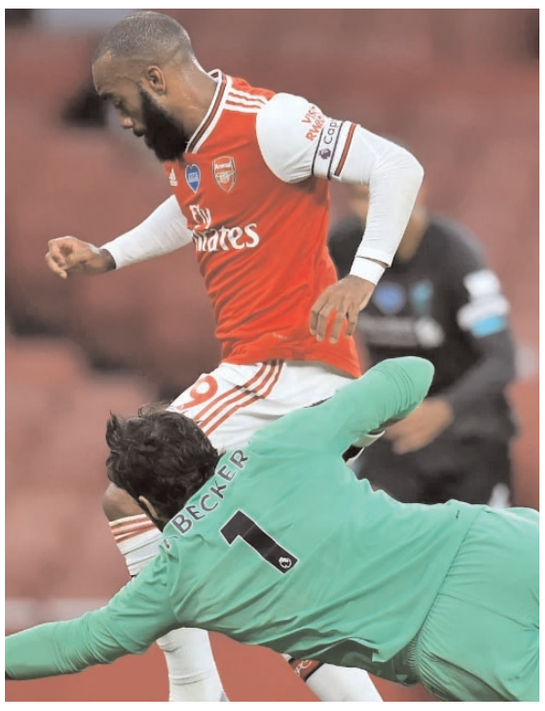

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके क्रिस्टल पैलेस को 5-2 से हराया जिससे उसकी टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर पहुंच गई। क्रिस्टल पैलेस की टीम ने 21 मिनट तक दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन इसके बाद मैनचेस्टर सिटी ने दमदार वापसी की। उसकी तरफ से पहला गोल केविन डी ब्रुइन ने किया। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से ब्रूइन के अलावा पहले हाफ में उमर मार्मोश और माटेओ कोवासिक ने गोल किए। जेम्स मैकएटी ने चौथा और निको ओरेली ने पांचवा गोल किया। इस जीत से मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में चेल्सी और न्यूकैसल से ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वह तीसरे स्थान पर मौजूद नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट से दो अंक पीछे है, जिसे एवर्टन ने 1-0 से हराया।

एक अन्य मैच में एस्टन विला पहले से ही दूसरी डिवीजन में खिसक चुके साउथेम्प्टन को 3-0 से हरा कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया। इस बीच दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल को ब्रेंटफोर्ड ने 1-1 से बराबरी पर रोक दिया, जिससे वह पहले स्थान पर चल रहे लिवरपूल से 10 अंक पीछे हो गया है।

शिखर धवन की नई गर्लफ्रेंड सोफी शाइन आई घर, बनाया ये खास वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय खिलाड़ी शिखर धवन इन दिनों अपने नए रिश्ते को लेकर काफी चर्चा में हैं। शिखर धवन 17 साल के बाद पहली बार आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं। अपनी धाकड़ ओपनिंग से गेंदबाजों को परेशान करने वाले टीम इंडिया के गब्बर ने आईपीएल के पिछले सीजन के बाद ही रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। लेकिन आईपीएल के बीच भी धवन सुर्खियों में हैं और इसकी वजह है उनकी नई गर्लफ्रेंड, जिनके साथ वह आए दिन हर जगह स्पॉट किए जा रहे हैं। अब उनकी ये गर्लफ्रेंड उनके घर भी पहुंच गई है।

दरअसल, शनिवार 12 अप्रैल को शिखर धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट की। जो दिल्ली में उनके घर के अंदर की थी। इसमें धवन और उनके साथ सोफी शाइन दिख रही हैं जो किसी सीन की एक्टिंग करते हुए दिख रहे हैं। बता दें कि, धवन और सोफी शाइन के बीच लव अफैयर्स की अफवाहें उड़ रही हैं। जिस पर धवन ने कभी भी खुलकर कुछ नहीं कहा लेकिन अब इस वीडियो से सबकुछ साफ होता दिख रहा है। बता दें कि, सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं और मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करती हैं। दोनों को पहली बार पिछले साल नवंबर में एक इवेंट के दौरान देखा गया था लेकिन तब किसी का ध्यान इस ओर नहीं गया था। लेकिन इस साल की शुरुआथ में जब चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के एक मैच के दौरान धवन और सोफी को साथ बैठे देखा गया था, तब सबका ध्यान खींचा था।

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अभी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका, सभी को उम्मीद थाला से

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का अब तक का सीजन बेहद खराब साबित हो रहा है। 5 बार की चैंपियन टीम ने अभी तक 6 मैच में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई सुपर किंग्स के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम लगातार मैच हारी है। ऐसा पहली बार हुआ हैं कि एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके ने हार की हैट्रिक लगाई हो। ऋतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद लगा था कि नए कप्तान एमएस धोनी के साथ सीएसके की किस्मत पलटेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ उन्हें 8 विकेट से शर्मनाक हार मिली। हालांकि हार के बावजूद उनके पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है।

सीएसके का प्लेऑफ समीकरण कुछ इसपर हैं, सीएसके ने आईपीएल 2025 में अभी तक 6 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें 1 में जीत मिली है। टीम को अभी इस सीजन में 8 और मैच खेलने हैं। अगर सीएसके इन 8 में से 7 मुकाबले जीत जाती हैं, तब उनके खाते में 16 अंक आएंगे और आईपीएल के इतिहास में देखा गया है कि 16 अंक के साथ अक्सर टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती है। वहीं अगर चेन्नई 8 के 8 मैच

जीतने में कामयाब रहती है, तब उनके खाते में 18 पॉइंट्स हो जाएंगे, फिर निश्चित उन्हें नॉकआउट राउंड में जगह मिल जाएगी। इसके पहले टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी सीएसके निर्धारित 20 ओवर में 103 रन ही बोर्ड पर लगा सकी। आखिरी कुछ ओवरों में शिवम दुबे (31) ने कुछ रन बना दिए जिस वजह से टीम 100 रन का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही। केकेआर ने स्कोर को 10.1 ओवर में 8 विकेट रहते हासिल कर लिया।

सोशल मीडिया ट्रोलर्स को रिजवान का जबाव, मुझे इंग्लिश नहीं आती...इसमें कोई शर्मिंदगी नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को अक्सर उनकी इंग्लिश को लेकर ट्रोल किया जाता है। इस लेकर अब रिजवान ने कहाकि मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। मेरा काम पाकिस्तान टीम के लिए क्रिकेट खेलना है। मुझसे क्रिकेट की डिमांड की जाती है। मुझसे अंग्रेजी बोलने की डिमांड नहीं होती है। गौरतलब है कि अक्सर टॉस के वक्त या मैच प्रजेंटेशन के दौरान कमेंटेटर्स कप्तानों से अंग्रेजी में बात करते हैं। इस दौरान खराब अंग्रेजी के लिए रिजवान का मजाक उड़ाया जाता है। इसपर रिजवान ने कहा है कि मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे इस बात पर फख्र है कि मैं जो भी बातें कहता हूं दिल से कहता हूं। मुझे इंग्लिश नहीं आती। रिजवान ने कहा कि मुझे इसका अफसोस है कि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं। मैंने पढ़ाई नहीं की। लेकिन मुझे इस पर

कोई शर्मिंदगी नहीं है, कि मुझे इंग्लिश नहीं आती। रिजवान ने कहा कि जो भी मेरे दिल में है मैं खुलकर कहता हूं। मेरे से जो डिमांड है वह क्रिकेट है। मेरे से डिमांड इंग्लिश नहीं है। मुझे कभी इस बात को लेकर फील नहीं हुआ। अगर लोग इंग्लिश मांगते, तब मैं क्रिकेट छोड़कर कहीं जाकर प्रोफेसर बन जाऊंगा, सीख लूंगा फिर आ जाऊंगा। मेरे पास इतना टाइम नहीं है इंग्लिश सीखने के लिए। हां, मुझे अफसोस है कि मैंने पढ़ाई पूरी नहीं की। इसलिए मैं अपने जूनियर्स से कहता रहता हूं कि पढ़ाई पर खूब ध्यान दें।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी- माइकल क्लार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है। क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही।

भोपाल में बैठे साहब ने निजी व्यक्तियों को ठेके पर रख बनाई घर पहुंच पैसे की सेटिंग सेवा

आरटीओ उड़नदस्ता वाहन में बैठे प्रायवेट कर्मचारी बाईपास में बनाते हैं अवैध वसूली का मैनेजमेंट, सरकारी कर्मी बन हर रोज ट्रक चालकों से करते हैं लूट

हाईवा वाहनों से सेटिंग कर उनको अवैध कार्यों का बांट रहे लाइसेंस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आरटीओ पुलिस की वर्दी का खौफ तो आमतौर पर हमेशा ही लोगों के जेहन में बना रहता है कि कहीं कोई आरटीओ वाले साहब आकर उनकी गाड़ी का चलान ना काट दे मगर जब कोई आम नागरिक इस वर्दी को पहन ले और वो भी वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तो इससे क्या अपेक्षा रखी जा सकती है। क्योंकि इससे किसी का चालान कटे या न कटे मगर साहबों की चांदी जरूर कटेगी।

ऐसा ही हाल है रीवा आरटीओ विभाग का जहां विभाग के द्वारा सड़कों पर दौड़ने के लिए उड़नदस्ता वाहन नाम की एक गाड़ी चलाई जाती है जिससे कहीं पर आमजन की समस्याओं को सुलझाया जा सके मगर उसमें सरकारी की बजाय प्रायवेट कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है जिससे वह कर्मचारी लोगों से उनकी समस्या सुनने के बजाय अपनी समस्या प्रस्तुत करे जा रहे हैं तथा अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए खुद को अवैध कमाई युक्त बनाने का काम करते रहते हैं और जिम्मेदार अधिकारी उस वाहन से इतर घर में बैठ वाहन में सवार कर्मचारियों की मेहरबानी का मजा लूट रहे हैं।

अवैध कमाई से जुड़ा हुआ मामला है शहर को दूध देती गाय चोरहटा से रतहरा बाईपास का जहां आरटीओ विभाग की उड़नदस्ता गाड़ी प्रत्येक दिवस अपनी ड्यूटी की सेवाएं दे रही है इस बीच इस वाहन में सवार प्राइवेट कर्मचारियों के द्वारा सरकारी वर्दी के दम पर बाईपास से निकलने वाली हाईवा वाहनों को अवैध रूप से चलने का लाइसेंस देकर उनसे वैध कमाई की जा रही है तथा इस कमाई में आई राशि का उपयोग साहब लोग किसी शासन के राजस्व में नहीं बल्कि अपने निजी उपयोग में कर रहे हैं।

दरअसल चोरहटा से रतहरा को लेकर जाने वाली बाईपास सड़क से दिन में कम से कम हजार हाईवा वाहन निकलते हैं तथा इन वाहनों में कई मालवाहक वाहन अवैध सामग्री लेकर निकलते हैं वहीं कई वाहन अवैध तरीके से ओवरलोड होकर निकलते हैं जिसके कारण सड़क हादसों का डर भी बना रहता है इसके अलावा शासन के द्वारा बनाई गई सड़क को भी नुकसान पहुंचता है मगर इन सब बातों की परवाह किए बगैर ही साहब लोग महज अपनी जेब भरने की फिराक में रहते हैं जिससे आरटीओ पुलिस वर्दी वाले साहबों के द्वारा अपनी निजी अवैध कमाई के रूप में निकलने वाले वाहनों से रुपयों का लेनदेन किया जाता है तथा दिन में इस मैनेजमेंट के माध्यम से वह लाखों की कमाई कमाकर अपने घर की ओर चले जाते हैं।

बताया जा रहा है कि आरटीओ की उड़नदस्ता वाहन के प्रभारी की जिम्मेदारी जिन भोपाल में बैठे साहब ने ली है वह साहब बाईपास से निकलने वाली प्रत्येक वाहनों को अपने निशाने पर लेते हैं जिससे एक वाहन से महीने का काम से कम 5 हजार रुपए वसूला जा रहा है।

नेटवर्क मार्केटिंग के नाम पर बेरोजगारों से ठगी, की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में एक बार फिर बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। यह आरोप स्मार्ट वेरी सुपर लिमिटेड नाम की एक प्राइवेट कंपनी पर लगाया गया है, जो रीवा में लगातार ठिकाना बदलती रही है। करीब 50 युवक और युवतियां रविवार को समान थाना पहुंचे और शिकायत की कि उन्हें नेटवर्क मार्केटिंग के नाम पर नौकरी और मर्सिडीज कार जैसे सपने दिखाकर 15-15 हजार रुपए की वसूली की गई। युवाओं का कहना है कि कंपनी ने हर महीने 10 हजार रुपए वेतन देने का वादा किया था, लेकिन कुछ समय बाद ऑफिस बदलने के साथ ही कंपनी के लोग भी गायब होने लगे।

शिकायत करने आई युवती मनीषा ने बताया कि पहले ऑफिस सिरमौर चौराहे के पास था, फिर उसे ज्ञानस्थली स्कूल और अब कॉलेज चौराहे के पास शिफ्ट किया गया। पीड़ित युवाओं के अनुसार, उन्हें जाल में फंसाने के बाद दूसरे लोगों को जोड़ने के लिए कहा गया और इस तरह चेन सिस्टम से ठगी का नेटवर्क फैलाया गया।

समान थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया कि युवाओं की शिकायत को दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले की सत्यता सामने आने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रत्येक आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण के निर्माण कार्यों के साथ-साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इस संबंध में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि जन अभियान परिषद से जुड़ी नवांकुर स्वैच्छिक संस्थाएं दीवार लेखन के माध्यम से जल सरंक्षण का संदेश दे रही हैं। विकासखण्ड जवा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। अन्य विकासखण्डों में भी सामाजिक संस्थाएं अलग-अलग माध्यमों से जल संरक्षण के संदेश दे रही हैं। नवांकुर संस्था सितलहा द्वारा दीवार लेखन करके लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में विधानसभा क्षेत्र मनगवां और त्योंथर में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की गयी

पंचायतों की नल जल योजनाओं के नलकूपों एवं हैंडपंपों में रिचार्ज के लिए सोकपिट निर्माण करायें

बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र ने दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में विधानसभा क्षेत्र मनगवां और त्योंथर में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि जिले में पेयजल की समस्या में समुचित समाधान के सभी प्रयास किये जाय। विभागीय अधिकारी पंचायतों से समन्वय बनाकर प्रत्येक गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था करायें। खराब हैण्डपंपों के सुधार तथा बंद नल जल योजनाओं में सुधार के कार्य प्राथमिकता से किये जाय। किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या होने पर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करायें। पंचायतों की नल जल योजनाओं के नलकूपों व हैण्डपंपों में रिचार्ज के लिए सोकपिट का निर्माण भी कराया जाय।

सांसद ने कहा कि जल स्तर घटने तथा अन्य कारणों से ग्रामीण क्षेत्रों व कस्बों में पेयजल आपूर्ति में कठिनाई आ रही है। गर्मी बढ़ने के साथ यह समस्या और भी बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में पूर्व से ही इन क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। उन्होंने कहा कि जल निगम द्वारा जहां पाइप लाइन डाल दी गयी है वहां वैकल्पिक तौर पर पीएचई के जल स्त्रोत से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करायी जाय। लालगांव कस्बे सहित अन्य पेयजल समस्या वाले क्षेत्रों में जल आपूर्ति की व्यवस्था योजना बनाकर करायें। उन्होंने कहा कि शासकीय बोरवेल व हैण्डपंपों को यदि किसी अशासकीय व्यक्ति द्वारा अतिक्रमित कर लिये जाने की शिकायत प्राप्त हो तो संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करायें। नल जल योजनाओं की यदि मोटर जल गई हो तो उसे 24 घण्टे में बदलकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करायें।

बैठक में त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन योजना के तहत ग्रामीण नल जल योजनाओं के बोरवेल व हैण्डपंपों में सोकपिट बन जाने से भूजल स्तर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जल निगम हर घर जल योजना का क्रियान्वयन तत्परता से करें ताकि गांव में अंतिम छोर तक के घर को निर्बाध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने त्योंथर क्षेत्र में सुधारे गये हैण्डपंप की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। विधायक तिवारी ने कहा कि पीएचई व जल निगम की भूमिका जल आपूर्ति में प्रमुख हैं। विभागीय अधिकारी संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें ताकि कहीं भी पानी की समस्या न आयें। उन्होंने त्योंथर, चाकघाट सहित रायपुर सोनौरी अंचल में पेयजल आपूर्ति की विस्तार से समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि बंद व गिरे-पटे बोरवेल की सफाई का कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाय। अनुपयोगी टंकियों का चिन्हांकन कर निष्पादित किये जाने की कार्यवाही करायी जाय। उन्होंने बाल्ब आपरेटर को मासिक पारिश्रमिक का भुगतान समय पर किये जाने की अपेक्षा की। विधायक ने कहा कि कार्य के प्रति लापरवाह उपयंत्रियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर भरकर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नलजल योजनाओं के संचालन तथा खराब हैण्डपंपों के सुधार के लिए जनपद पंचायत पीएचई विभाग के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रहा है। 15वें वित्त आयोग की राशि से भी पंचायतों में पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले में पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी है। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने बताया कि रीवा जिले में 21622 हैण्डपंप स्थापित हैं। इनमें से वर्तमान में 2430 बंद हैं। जल स्तर घटने के कारण 1172 हैण्डपंप बंद हैं। इनमें राइजर पाइप और सिंगल फेज मोटर लगाकर पेयजल की आपूर्ति के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में 343 एकल नलजल योजनाएं हैं। इनमें से 293 से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। शेष बंद नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों के सहयोग से विभागीय संविदाकार चालू करने का प्रयास कर रहे हैं। जिले में 195 नलजल योजनाएं ग्राम पंचायतों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। पेयजल व्यवस्था के निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने पर निर्माण एजेंसियों को ब्लैकलिस्टेड किया गया है। बैठक में जल जीवन मिशन के जल प्रबंधक चित्रांशु ने बताया कि कदैला समूह नलजल योजना से सौ से अधिक गांवों में पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। नलजल योजनाओं का 10 वर्षों तक रखरखाव इसे बनाने वाले ठेकेदार करेंगे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सीईओ जवा राहुल पाण्डेय, प्रभारी सीईओ गंगेव, प्रभारी सीईओ रीवा, कार्यपालन यंत्री मैकेनिकल डीएल कनेल तथा सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

बारातियों से भरी पिकअप को ट्रक ने मारी टक्कर, एक महिला की मौत

14 लोग घायल, वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे थे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र में शादी समारोह से लौट रहे बारातियों की पिकअप को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, वहीं 14 लोग घायल हो गए। घायलों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि सेमरिया थाना क्षेत्र के सांव गांव के साकेत परिवार के लोग मऊगंज जिले के देवतालाब में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। इस दौरान कोस्टा में जिउला के पास तेज रफ्तार ट्रक से पिकअप की भिड़ंत हो गई, जिससे ट्रक पलट गया।

घटना में एक महिला बुद्धू साकेत की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं करीब 14 लोग घायल हो गए। इनमें से रामनिलोचन और रामनिरंजन गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका उपचार जारी है। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

सतना में एक साथ दफनाई गईं तीन बहनें

सड़क निर्माण के लिए खोदे गये गड्ढे में डूबने से हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना में शनिवार को रीछुल गांव में तीन सगी बहनों की डूबने से मौत हो गई थी। रविवार सुबह नागौद सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद तीनों बच्चियों को गांव के बाहर एक साथ दफनाया गया। मृतक बच्चियों में 8 साल की जान्हवी और 5 साल की जुड़वां बहनें गौरी और तान्या शामिल हैं।

घटना जसो थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर को हुई। तीनों बच्चियां सड़क निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में डूब गईं। ये गड्ढा करीब 3 महीने पहले मिट्टी निकालने के लिए खोदा गया था, जो बरसात के पानी से भर गया था।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल: बच्चियों के पिता राजकुमार चौरसिया और मां प्रभा देवी बेसुध हालत में हैं और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। रात साढ़े 9 बजे तक वे घटनास्थल पर धरने पर बैठे रहे। एसडीएम और थाना प्रभारी की समझाइश के बाद ही वे माने।

ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग: यूथ कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मि पटेल ने ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे जिले में इस तरह के खुले गड्ढों को भरवाने की अपील की है, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो।

सैनिक सम्मान के साथ शहीद अजय विश्वकर्मा का हुआ अंतिम संस्कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम मढ़ीखुर्द निवासी अजय विश्वकर्मा सैन्य कार्रवाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका 11 अप्रैल को उपचार के दौरान रूड़की में दुखद निधन हो गया। शहीद अजय विश्वकर्मा भारतीय सेना की 119 एसाल्ट इंजीनियर रेजीमेंट में कार्यरत थे। शहीद अजय विश्वकर्मा का उनके गृह ग्राम मढ़ीखुर्द तहसील मनगवां में पूरे सैनिक सम्मान के साथ रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए सूबेदार सत्यानारायण शर्मा के नेतृत्व में सेना का दल उपस्थित रहा। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में किया जा रहा तालाबों का जीर्णोद्धार

तालाब सफाई एवं मरम्मत कार्य का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि मऊगंज जिले की ग्राम पंचायत खैरा में तालाब जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया है। सहायक यंत्री एवं उपयंत्री द्वारा इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। इसी तरह ग्राम पंचायत शिवपुरवा में तालाब जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसमें आमजनता भी भागीदारी निभा रही है। इन जल संरक्षण कार्यों से वर्षा जल को धरती की कोख में संचित करने में सहायता मिलेगी। जो पानी नदियों के माध्यम से समुद्र में पहुंच जाता है उसे सहेजकर धरा में संचित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद रायपुर कर्चुलियान अन्तर्गत ग्राम पंचायत रामनई में तालाब की सफाई एवं मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणजनों से जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यों में भागीदार बनने की अपेक्षा की।

गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत जल संवाद

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्यों के साथ ही आम लोगों को इस अभियान से जुड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले के ग्राम अटरिया में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवांकुर स्वैच्छिक संस्था सर्वोदय विन्ध्य विकास समिति द्वारा आयोजित जल संवाद कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक अमित अवस्थी ने ग्रामजनों को जल संरक्षण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा उपस्थित जनों से जल संरक्षण के कार्यों में सहभागिता की अपेक्षा की।

अरहर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 20 तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 7550 रुपए प्रति क्विंटल पर जिले भर में अरहर का उपार्जन किया जाएगा। खरीफ वर्ष 2024-25 में ई उपार्जन पोर्टल पर अरहर (तुअर) फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 20 अप्रैल तक किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि उपार्जन के लिए किसान ई उपार्जन पोर्टल में अपना पंजीयन 20 अप्रैल से पहले करा लें। सभी सहकारी समिति प्रबंधक तुअर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें। पंजीकृत किसानों को ही समर्थन मूल्य पर तुअर के उपार्जन का लाभ मिलेगा।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर आज रहेगा सार्वजनिक अवकाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 14 अप्रैल 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह अवकाश निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट्स एक्ट के तहत घोषित किया गया है।

सरपंच सम्मेलन 17 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में पंच, सरपंच सम्मेलन 17 अप्रैल को आयोजित किया गया है। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में शाम 4 बजे से आयोजित कार्यक्रम में रीवा जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं पंच व सरपंच कार्यक्रम में उपस्थिति की अपेक्षा की गयी है। सम्मेलन में विभागीय योजनाओं के संबंध में विचार विमर्श किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।